MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 18 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-135

वंदे मातरम् कटघरे में!

उलेमा-ए-हिन्द की चुनौती

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने एक बार फिर वंदे मातरम् को विवादित गीत बताते हुए सरकार की अधिसूचना पर सवाल उठाए हैं। संगठन के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कार्यसमिति की बैठक के बाद कहा कि एक अधिसूचना के जरिए वंदे मातरम् जैसे विवादित गीत को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया गया है और भाजपा शासित राज्यों में इसका रोजाना गायन अनिवार्य किया जा रहा है।

मौलाना मदनी ने आरोप लगाया कि दूसरी ओर मस्जिदों, मकबरों और मदरसों को अवैध बताकर गिराया जा रहा है और मदरसों के खिलाफ लगातार नए आदेश जारी किए जा रहे हैं, मानो वे शैक्षणिक संस्थान नहीं बल्कि गैरकानूनी गतिविधियों के केंद्र हों। उन्होंने कहा कि मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा। पहले मुसलमान निशाने पर थे, लेकिन अब इस्लाम को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान की शपथ लेकर सत्ता में आने वालों की जिम्मेदारी है कि वे हर नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करें। मौलाना मदनी ने आरोप लगाया कि पहले की सरकारों ने मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया, जबकि मौजूदा सरकार इस्लाम को नुकसान पहुंचाना चाहती है।

मौलाना मदनी ने कहा कि देश में नफरत की राजनीति अब डर और धमकी की राजनीति में बदल गई है। उनका आरोप था कि मुसलमानों को यह एहसास दिलाने की कोशिश की जा रही है कि उन्हें शर्तों के साथ जीना होगा। उन्होंने कहा कि यह कानून और संविधान की सर्वोच्चता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आचार संहिता की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गईं और मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से धमकियां दी गईं। उन्होंने कथित तौर पर कुछ नवनिर्वाचित मुख्यमंत्रियों के बयानों पर भी सवाल उठाए और कहा कि संविधान हर नागरिक को समान अधिकार देता है। मौलाना मदनी ने समान नागरिक संहिता और वंदे मातरम् को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद केंद्र सरकार के उस फैसले को पूरी तरह खारिज करती है, जिसमें वंदे मातरम् को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने और सरकारी और ▶8 पर

गाय मत काटो, बोले इमाम

कोलकाता, 17 मई (एजेंसियां)। कोलकाता की प्रसिद्ध नखोदा मस्जिद के इमाम ने रविवार को मुसलमानों से अपील की कि वे गाय की कुर्बानी से बचें, ताकि हिंदू समुदाय की भावनाओं का सम्मान किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार के नए नियमों के कारण पशुओं की हत्या करना बहुत कठिन हो गया है, क्योंकि इसके लिए जरूरी स्थानीय सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने पीटीआई से कहा, अगर सरकार जरूरी सुविधाएं नहीं दे सकती, तो उसे गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करना चाहिए और गाय की हत्या और गोमांस निर्यात पर पूरी तरह रोक लगानी चाहिए।

पश्चिम बंगाल सरकार ने पिछले हफ्ते नए नियम जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के किसी भी जानवर की हत्या नहीं की जा सकती। इस सर्टिफिकेट को अधिकारी देंगे। इसमें बैल, सांड, गाय, बछड़े और भैंस की उम्र और उनकी शारीरिक स्थिति की जांच की जाएगी। नियम के अनुसार, केवल वही जानवर काटे जा सकते हैं, जिनकी उम्र 14 साल से अधिक हो या जो चोट, बीमारी, उम्र या किसी गंभीर और असाध्य रोग के कारण स्थायी रूप से अक्षम हों।

मौलाना कासमी ने कहा कि सरकार को इसके लिए पहले पूरी व्यवस्था करनी चाहिए। हर जगह बूचड़खाने बनाने चाहिए और हर बाजार में पशु चिकित्सक उपलब्ध कराने चाहिए। उन्होंने कहा, अगर सरकार यह व्यवस्था नहीं कर सकती, तो उसे गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करना चाहिए और पूरे देश में गोहत्या और बूचड़खानों के संचालन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

▶8 पर

एक और ग्लोबल रिकॉर्ड

पीएम मोदी को स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वक्त यूरोप के चार देशों के दौरे पर हैं। इस दौरे के दूसरे पड़ाव पर वो रविवार यानी 17 मई को स्वीडन के शहर गोथेनबर्ग पहुंचे। यहां उनका बड़े धूमधाम से स्वागत हुआ। स्वीडन ने उन्हें अपना सबसे बड़ा सम्मान दिया। और दोनों देशों के बीच कई बड़े मुद्दों पर बातचीत भी हुई।

पीएम मोदी इन दिनों यूरोप के चार देशों का दौरा कर रहे हैं। स्वीडन इस दौरे का दूसरा पड़ाव है। वो 17 और 18 मई, दो दिन स्वीडन में रहेंगे।

इससे पहले मोदी साल 2018 में स्वीडन आए थे, जब वहां पहला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन हुआ था। यानी करीब सात साल बाद वो फिर स्वीडन गए हैं।

जैसे ही पीएम मोदी का विमान स्वीडन की हवाई सीमा में घुसा, स्वीडन की वायु सेना के ग्रिपेन लड़ाकू विमान उनके विमान के साथ आ गए। ये विमान प्रधानमंत्री मोदी के प्लेन को सुरक्षा घेरा देते हुए गोथेनबर्ग एयरपोर्ट तक साथ लेकर आए। यह एक बड़े सम्मान की निशानी है। किसी राष्ट्र प्रमुख को इस तरह एस्कॉर्ट करना यानी उनके विमान के साथ लड़ाकू जेट भेजना, यह दिखाता है कि मेजबान देश उस नेता को कितनी अहमियत देता है। एयरपोर्ट पर खुद स्वीडन के पीएम आए लेने। गोथेनबर्ग एयरपोर्ट पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन खुद मोदी का स्वागत करने पहुंचे। यह भी एक खास बात है क्योंकि आमतौर पर किसी देश के पीएम किसी मेहमान नेता को एयरपोर्ट पर लेने नहीं जाते। इस तरह स्वीडन ने प्रधानमंत्री मोदी को विशेष सम्मान दिया।

स्वीडन ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश के सबसे बड़े सम्मान में से एक - रॉयल ऑर्डर ऑफ़ पोलर स्टार, कमांडर ग्रैंड क्रॉस से सम्मानित किया है। यह सम्मान किसी भी देश के सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। ▶8 पर

मॉस्को पर बड़ा ड्रोन हमला

एक भारतीय की मौत, तीन अन्य घायल

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। रूस की राजधानी मॉस्को और उसके आसपास के इलाकों पर यूक्रेन ने रविवार को बड़ा ड्रोन हमला किया। इस हमले में एक भारतीय शख्स की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। रूस में मौजूद भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि की है।

यूक्रेन ने रविवार की रात मॉस्को पर पिछले कई महीनों का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि 24 घंटे के अंदर पूरे देश में 1,000 से ज्यादा यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि राजधानी की तरफ आ रहे कम से कम 81 ड्रोन को रात में मार गिराया गया।

हमले में कई इलाकों में घर और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। कई जगहों पर हवाई हमले के सायरन बजे, धमाके सुनाई दिए और मलबा गिरा।

इस हमले में कुल चार लोगों की मौत हुई। मॉस्को के पास खिमकी इलाके में एक महिला की मौत हो गई जब मलबा उसके घर पर गिरा। मायतिशी जिले के पोगोरेल्की गांव में दो और लोग मारे गए। रूस के बेलगोरोद इलाके में, जो यूक्रेन की सीमा से लगता है, एक और मौत की खबर आई। कई और लोग घायल हुए। मॉस्को के एक तेल रिफाइनरी के पास भी कुछ लोग घायल हुए, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि रिफाइनरी को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

यूक्रेन ने कहा कि यह हमला रूस के उस बड़े हवाई हमले का जवाब था जो कुछ दिन पहले यूक्रेन की राजधानी कीव पर हुआ था। वो हमला पिछले चार साल से चल रही इस जंग के सबसे बड़े हमलों में से एक था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें धुआं उठते और दमकल कर्मी आग बुझाते दिख रहे थे। ▶8 पर

फिर झुलसेगा मिडिल ईस्ट?

ईरान पर हमला कर सकते हैं ट्रंप

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में शांति की जो थोड़ी-बहुत उम्मीद दिख रही थी, अब उस पर फिर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर लागू होने के बाद लोगों को लगा था कि शायद अब हालात संभल जाएंगे। लेकिन अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिसने एक बार फिर दुनिया की टेंशन बढ़ा दी है। अमेरिकी मीडिया का दावा है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फेल हुई, तो आने वाले दिनों में हालात फिर विस्फोटक हो सकते हैं। यानी जिस जंग पर फिलहाल ब्रेक लगा दिख रहा है, वह फिर भड़क सकती है। दरअसल, दोनों देशों के बीच पेंच ईरान की उन 5 शर्तों पर आकर फंसा है, जिसे मानने से अमेरिका कतरा रहा है। इस महायुद्ध की आहट को हवा दी है खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने। उन्होंने एक एआई तस्वीर शेयर की, जिसमें वह मेक अमेरिका ग्रेट अगेन वाली लाल टोपी पहने एक अमेरिकी नौसेना अधिकारी के साथ युद्धपोत पर खड़े दिखे। पीछे समुद्र में तनाव का माहौल और ईरानी जहाज नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ ट्रंप ने लिखा, 'तूफान से पहले की शांति'। इसके बाद चर्चा तेज हो गई कि क्या अमेरिका किसी बड़े एक्शन की तैयारी में है।

उधर, ट्रंप लगातार ईरान को चेतावनी भी दे रहे हैं। उनका कहना है कि अगर ईरान जल्द समझौते पर राजी नहीं होता, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जरूर चल रही है, लेकिन भरोसे की कमी अब भी सबसे बड़ी दीवार बनी हुई है।

इस बीच इजरायल में भी एक बड़ा धमाका चर्चा में है। यरुशलम के पास एक सरकारी डिफेंस कंपनी के टेस्टिंग ग्राउंड में जोरदार विस्फोट हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आसमान में आग की लपटें और धुएं का बड़ा गुबार दिखाई दिया। इजरायल इसे एक तकनीकी परीक्षण बता रहा है, लेकिन कुछ अंतरराष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मामला इतना सीधा नहीं हो सकता।

न्यूयॉर्क टाइम्स के दावों के मुताबिक, व्हाइट हाउस और अमेरिकी सेना के भीतर ईरान को लेकर कई विकल्पों पर चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि एक प्लान ईरान के सैन्य ठिकानों और जरूरी ढांचे पर बड़े हवाई हमले का है। वहीं दूसरा विकल्प ज्यादा बड़ा और खतरनाक माना जा रहा है, जिसमें ईरान के यूरेनियम स्टोरेज सेंटर को निशाना बनाया जा सकता है।

हालांकि, ईरान ने भी संयुक्त राष्ट्र में सख्त चेतावनी दी है। ईरान का कहना है कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो उसका समर्थन करने वाले देशों को भी इसके नतीजों की जिम्मेदारी उठानी होगी। साथ ही खबरें ये भी हैं कि अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपने सैनिकों और सैन्य सामान की तैनाती को लेकर नई तैयारी कर रहा है।

ईरान की इन 5 शर्तों की वजह से नहीं बन रही बात

* ईरान की पहली मांग है कि लेबनान समेत तमाम मोर्चों पर जारी सैन्य संघर्ष और लड़ाई को तुरंत पूरी तरह से रोका जाए।
* ईरान चाहता है कि बातचीत आगे बढ़ाने से पहले अमेरिका उस पर लगाए गए सभी आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाए। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 27^0

सतीशन आज लेंगे शपथ

राज्यपाल को सौंपी 20 नामों की लिस्ट

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। केरल में नई सरकार के गठन की तस्वीर अब लगभग साफ हो चुकी है। रविवार को यूडीएफ नेता वीडी सतीशन ने ऐलान किया है कि सोमवार सुबह 10 बजे नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। खास बात ये है कि करीब 60 साल बाद ऐसा होने जा रहा है, जब पूरा यूडीएफ मंत्रिमंडल एक साथ शपथ लेगा। वीडी सतीशन समेत कुल 21 मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।

वीडी सतीशन ने बताया कि राज्यपाल को 20 मंत्रियों की सूची पहले ही सौंप दी गई है। इसमें उनका नाम जोड़ दिया जाए तो कुल 21 लोग नई सरकार का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि इस पूरी सूची को पार्टी हाईकमान की मंजूरी के बाद राज्यपाल को भेजा गया है। हालांकि नई कैबिनेट को लेकर हर किसी को खुश करना आसान नहीं था। इस पर वीडी सतीशन ने साफ कहा कि कई ऐसे नेता भी थे जो मंत्री बनने के हकदार थे, लेकिन क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए उन्हें जगह नहीं मिल पाई। यानी सरकार बनाते वक्त सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि इलाके और समाज के अलग-अलग वर्गों का भी हिसाब रखा गया।

यूडीएफ सरकार में सबसे ज्यादा मंत्री कांग्रेस के खाते में गए हैं। कांग्रेस से वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला, के मुरलीधरन, सनी जोसेफ, बिंदु कृष्णा, एपी अनिल कुमार, पीसी विष्णुनाध, एम लिजू, रोजी एम जॉन, टी सिद्दीक, ओजे जनीश और केए तुलसी को जगह मिली है। वहीं, आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से पीके कुन्हालीकुट्टी, ▶8 पर

85 की उम्र में तमिल प्रोड्यूसर के. राजन ने की आत्महत्या

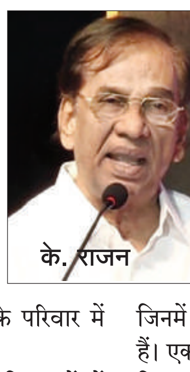
के. राजन

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर प्रोड्यूसर के. राजन ने रविवार को रिपोर्ट्स के मुताबिक सुसाइड कर लिया। इस खबर से पूरी फिल्म इंडस्ट्री सदमे में है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। के राजन ने चेन्नई के अडयार ब्रिज से कूदकर जान दी। हालांकि, मामले में अभी और जानकारी सामने आना बाकी है। उनके परिवार में उनका बेटा प्रभुकांत हैं।

के राजन तमिल सिनेमा में कई भूमिकाओं में सक्रिय रहे। वो प्रोड्यूसर, राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के तौर पर इंडस्ट्री में पहचान रखते थे। उन्होंने साल 1983 में फिल्म ब्रह्माचारिगल से बतौर प्रोड्यूसर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने डबल्स, अवल पावम और निनाईकोआथा नालिआई जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया। साल 1991 में उन्होंने डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू किया। उनकी पहली फिल्म नम्मा ओरू मारिअम्मा थी, जिसमें निजालघल रवी और सरतकुमार नजर आए थे। बाद में उन्होंने उनार्कीगल जैसी फिल्में भी डायरेक्ट कीं। इसके अलावा के राजन ने कई फिल्मों की कहानियां भी लिखीं, जिनमें थनगमाना थंगाची और उनर्चीगल शामिल हैं। एक्टर के तौर पर भी उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। वो माइकल राज, सोनथाकरण, वीट्टोडा, मापिलाई, पांबू सातई, अजीत कुमार की फिल्म थुनिवू और सेल्वाराघवन की बकासुरन में नजर आए थे। के राजन अपनी बेबाक राय और फिल्म इंडस्ट्री पर खुलकर बोलने के लिए भी काफी मशहूर थे। उनका विवादों से भी गहरा नाता रहा। ▶8 पर

दुनिया में नाइट्स आफ माल्टा का है सबसे खास पासपोर्ट

लंदन

किसी देश के पासपोर्ट को सिर्फ विदेश यात्रा का दस्तावेज नहीं माना जाता, बल्कि कुछ पासपोर्ट अपनी दुर्लभता के कारण खास माने जाते हैं। कुछ पासपोर्ट अपनी ताकत, डिजाइन या विशेष अधिकारों की वजह से दुनिया भर में चर्चा में रहते हैं। दुनिया का सबसे दुर्लभ और खास पासपोर्ट नाइट्स आफ माल्टा संगठन का माना जाता है। यह पासपोर्ट केवल लगभग 500 लोगों के पास मौजूद है। इसे सावरेन मिलिट्री आर्डर आफ माल्टा के सदस्यों को जारी किया जाता है। यह संगठन बेहद अनोखा है क्योंकि इसका अपना संविधान और अंतरराष्ट्रीय पहचान तो है, लेकिन इसका कोई स्थायी भौगोलिक देश नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में इसे पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है। गहरे लाल रंग के इस पासपोर्ट पर सुनहरे अक्षरों में संगठन का नाम लिखा होता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से मानवीय और चिकित्सकीय मिशनों के दौरान किया जाता है। हालांकि अमेरिका, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड जैसे कुछ देश इसे यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता नहीं देते। यह संगठन 11वीं शताब्दी से अस्तित्व में है और शुरुआत में कैथोलिक चर्च से जुड़े सेवा संगठन के रूप में काम करता था। समय के साथ यह सैन्य संगठन से बदलकर मानवीय सहायता और चिकित्सा सेवाओं पर केंद्रित संस्था बन गया। आज भी यह दुनिया भर में गरीबों, शरणार्थियों, बीमारों और आपदा प्रभावित लोगों की मदद करता है। दुनिया के सबसे अनोखे पासपोर्टों में वेटिकन सिटी का पासपोर्ट भी शामिल है। यह दुनिया के सबसे छोटे देश का आधिकारिक पासपोर्ट है और इसे आम नागरिकों को नहीं दिया जाता। केवल वेटिकन के उच्च पादरियों, कार्डिनल्स, बिशप्स, राजनयिकों और स्विस गार्ड के सदस्यों को ही यह मिलता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह नागरिकता नहीं, बल्कि पद के आधार पर जारी किया जाता है। जैसे ही व्यक्ति अपना पद छोड़ता है, पासपोर्ट वापस ले लिया जाता है। अगर दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट की बात करें तो सिंगापुर का नाम सबसे ऊपर आता है। सिंगापुर का पासपोर्ट रखने वाले लोग दुनिया के लगभग 190 से ज्यादा देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं। इसी वजह से इसे दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट माना जाता है। वहीं डिजाइन और खूबसूरती के मामले में नार्वे का पासपोर्ट सबसे अलग माना जाता है। अल्ट्रावायलेट या ब्लैक लाइट में इसके पन्नों पर नार्दर्न लाइट्स, फजार्ड और आर्कटिक क्षेत्र की शानदार तस्वीरें उभरकर दिखाई देती हैं। जापान के पासपोर्ट में भी चेरी ब्लासम और माउंट फूजी की कलात्मक झलक देखने को मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार पासपोर्ट का रंग और डिजाइन भी किसी देश की सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान को दर्शाता है। लाल रंग के पासपोर्ट अक्सर यूरोपीय और पूर्व कम्युनिस्ट देशों में देखे जाते हैं, जबकि नीले रंग के पासपोर्ट अमेरिका और कनाडा जैसे देशों में आम हैं। इस्लामिक देशों में हरे रंग के पासपोर्ट लोकप्रिय हैं, जबकि काला रंग सबसे दुर्लभ और विशिष्ट माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र अपने अधिकारियों को विशेष लेसे-पासर दस्तावेज जारी करता है, जो उन्हें राजनयिक सुविधाएं और छूट प्रदान करता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के प्रधानमंत्री शाह का अगले डेढ़ माह तक संसद में संबोधन का कोई कार्यक्रम तय नहीं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह का अगले डेढ़ माह तक संसद में संशोधन का कोई कार्यक्रम तय नहीं है। सार्वजनिक किए गए संसदीय कैलेंडर में शाह के संसद में बोलने या सांसदों के सवाल का जवाब देने का कोई कार्यक्रम शामिल नहीं है। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा का आगामी 30 जून तक का कैलेंडर सार्वजनिक किया गया। संसद सचिवालय के अनुसार प्रतिनिधि सभा नियमावली के अनुसार यह कैलेंडर जारी किया गया है। इस नियमावली में प्रत्येक महीने के पहले सप्ताह के एक दिन प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रावधान है। नियमावली के नियम 56 में कहा गया है, प्रधानमंत्री या उनके कार्यक्षेत्र से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रश्न पूछने के लिए स्पीकर प्रत्येक महीने के पहले सप्ताह के किसी एक दिन की बैठक के पहले एक घंटे का समय निर्धारित करेंगे। इस नियम के अनुसार अब तक सभी प्रधानमंत्रियों ने कम से कम एक घंटे तक सांसदों के सवालों के जवाब दिए हैं। लेकिन इस बार प्रतिनिधि सभा द्वारा जारी संसदीय कैलेंडर में प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम नहीं रखा गया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह पर संसद में नहीं बोलने, संसद के प्रति उत्तरदायी न होने का आरोप लग रहा है। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण और सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर उठे सवालों का भी जवाब नहीं दिया।

नेपाल में चीनी की कमी नहीं होगी, उपभोक्ता चिंता न करें, उद्यमियों के संगठन का दावा और अपील

काठमांडू। भारत द्वारा चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर नेपाल के चीनी उद्योग संघ ने दावा किया है कि नेपाल में चीनी की कमी नहीं होगी। संघ ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में चीनी का भंडार मौजूद है। संघ ने अपील की है कि उपभोक्ता चिंता न करें। चीनी उद्योग संघ के अनुसार, चालू सीजन में संचालित 13 चीनी उद्योगों से करीब 1 लाख 90 हजार 870 टन चीनी का उत्पादन हुआ है। इनमें से 28 वैशाख तक के आंकड़ों के अनुसार उद्योगों के पास अभी भी 1 लाख 8 हजार टन चीनी का भंडार मौजूद है। उद्योगपतियों के भंडार के अलावा बाजार में व्यवसायियों के पास करीब 20 हजार टन तथा चालू आर्थिक वर्ष में आयात की गई लगभग 60 से 70 हजार टन चीनी भी उपलब्ध है। संघ ने कहा कि खुली सीमा से भी चीनी का आयात जारी है, इसलिए अगले क्रसिंग सीजन तक नेपाल में चीनी की उपलब्धता पर्याप्त रहने का दावा किया गया है। संघ ने स्पष्ट किया कि चीनी की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण फिलहाल फैक्टरी स्तर पर चीनी की कीमतों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है, देश में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध और भंडारित होने के कारण तत्काल फैक्टरी स्तर पर कीमत नहीं बढ़ेगी।

एफ-35 फाइटर जेट में स्वदेशी तकनीक जोड़ेगा इजरायल

तेलअवीव। इजरायल ने अपने सबसे आधुनिक और घातक लड़ाकू विमान, लाकहीड मार्टिन एफ-35 अदिर की मारक क्षमता और पहुंच को कई गुना बढ़ाने के लिए एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। इजरायली रक्षा मंत्रालय की घोषणा के मुताबिक, वह इस अमेरिकी स्टेल्थ फाइटर जेट में स्वदेशी तकनीक से विकसित एक्सटर्नल फ्यूल टैंक (बाहरी ईंधन टैंक) लगाने जा रहा है। इस स्वदेशी समाधान के बाद एफ -35 की उड़ान रेंज इतनी बढ़ जाएगी कि उसे लंबी दूरी के मिशनों को अंजाम देने के लिए हवा में ईंधन भरने वाले टैंकर विमानों (रिफ्यूलर) पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इस रणनीतिक प्रोजेक्ट के लिए इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने एल्बिट सिस्टम्स की सहायक कंपनी साइक्लोन के साथ 100 मिलियन शेकेल (करीब 34 मिलियन अमेरिकी डालर) का एक बड़ा समझौता किया है। यह कंपनी एफ-35 के लिए विशेष रूप से बाहरी ईंधन टैंक विकसित और इंटीग्रेट करेगी। गौरतलब है कि इजरायल ने इससे पहले अपने एफ-16 फाइटर जेट्स के लिए भी इसी तरह की तकनीक का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया था।

भारत-नीदरलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदला

द हेग (नीदरलैंड)

भारत और नीदरलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के रूप में अपग्रेड (उन्नत) किया है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री राब जेटन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हेग में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद रणनीतिक साझेदारी रोडमैप (2026-2030) पर मुहर लगी। इसका उद्देश्य व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस ऐतिहासिक संयुक्त वक्तव्य में कई प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है।

आवागमन और प्रवासन समझौता - भारत और नीदरलैंड के बीच पेशेवरों और छात्रों की सुगम आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवासन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

सेमीकंडक्टर और तकनीक - धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब के विकास के लिए टाटा इलेक्ट्रानिक्स और एएसएमएल के बीच साझेदारी हुई। इसके साथ ही क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) के आदान-प्रदान के लिए खान मंत्रालय ने भी करार किया है।

हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा - भारत और नीदरलैंड ने हरित हाइड्रोजन के विकास के लिए भारत-नीदरलैंड रोडमैप लान्च किया। यह अक्षय ऊर्जा संक्रमण में सहयोग को गति देगा।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कला - नीदरलैंड ने चोल राजवंश के ऐतिहासिक ताम्रपत्र भारत को वापस सौंपे। इसके साथ ही समुद्री विरासत के संरक्षण के लिए लोथल (गुजरात) स्थित नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज काम्प्लेक्स से जुड़ा समझौता भी हुआ।

इस यात्रा के अहम मायने - प्रधानमंत्री मोदी की नीदरलैंड यात्रा भारत के लिए कई मायनों में अहम साबित हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नीदरलैंड भारत के शीर्ष पांच निवेशकों में शामिल है और दोनों देशों के रिश्ते पिछले 10 वर्ष में तेजी से मजबूत हुए हैं।

रिश्तों को मिली नई दिशा - प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते की दिशा में हो रही प्रगति से दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड मिलकर नवाचार, टेक्नोलाजी और

आर्थिक विकास के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा कर सकते हैं।

बड़े समझौते - प्रधानमंत्री मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच 17 बड़े समझौते हुए। इनका सर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा, खेती, सेहत, डेयरी, जल प्रबंधन और सांस्कृतिक विरासत जैसे क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। दोनों देशों ने कहा कि ये फैसले आने वाले समय में विकास, रोजगार, निवेश और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देंगे। इससे भारत को नई तकनीक, रोजगार और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। रक्षा, साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन पर भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे।

वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति - भारत और नीदरलैंड के बीच वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति बनी। इससे भारतीय छात्रों, प्रोफेशनल्स और कामगारों को पढ़ाई और नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप और लंबी अवधि के वीजा में भी सहूलियत मिलेगी।

उच्च शिक्षा में सहयोग - नालंदा यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी आफ ग्रोनिंगेन साझेदारी भी हुई है। दोनों देशों के विश्वविद्यालय अब संयुक्त रिसर्च और डिग्री कार्यक्रम चला सकेंगे। भारतीय छात्रों और शिक्षकों को डच यूनिवर्सिटी में पढ़ाई और रिसर्च के नए मौके मिलेंगे।

भारत की औद्योगिक ताकत बढ़ेगी - क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग पर हुए अनुबंध से इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और हाईटेक उद्योगों के लिए जरूरी खनिजों की सप्लाई मजबूत होगी। इससे भारत की औद्योगिक ताकत बढ़ेगी। यही नहीं, भारत और नीदरलैंड ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात में मिलकर काम करेंगे। इससे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और रोजगार बढ़ेंगे। भारत यूरोप के ग्रीन एनर्जी बाजार में मजबूत जगह बना सकेगा। दोनों देश सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं में तकनीक और विशेषज्ञता साझा करेंगे।

नीति आयोग और नीदरलैंड - भारत के नीति आयोग के सहयोग से ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा और नई तकनीक पर संयुक्त परियोजनाएं चलाई जाएंगी। इससे निवेश और उद्योगों को फायदा मिलेगा।नीदरलैंड भारत के गुजरात की बड़ी जल परियोजना में तकनीकी मदद देगा। इससे पेयजल, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ सकती है।

त्रिपुरा के फूल दुनिया में महकेंगे - फ्लावर सेंटर आफ एक्सीलेंस, त्रिपुरा को नीदरलैंड सहयोग करेगा। इससे फूलों की खेती को आधुनिक तकनीक मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। बेंगलुरु में इंडो-डच डेयरी सेंटर को मदद करने का भी नीदरलैंड ने वादा किया है। इससे डेयरी किसानों और पशुपालन क्षेत्र को नई तकनीक और प्रशिक्षण मिलेगा। इससे दूध उत्पादन और गुणवत्ता सुधरेगी। यही नहीं भारतीय पशुपालन क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, बीमारी नियंत्रण और स्किल ट्रेनिंग का लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग - दोनों देश स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग करेंगे। वक्तव्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य, मेडिकल रिसर्च और वैज्ञानिक जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया। भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में यह सहयोग मदद करेगा।

सबसे अहम समझौता - व्यापार और आयात-निर्यात प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए अहम समझौता हुआ है। इससे उद्यमियों को राहत मिलेगी।

कैलाश मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्री पहुंचने लगे नेपाल

काठमांडू

भारत से कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाली तीर्थयात्रियों का नेपाल आगमन शुरू हो गया है। पिछले चार दिनों में 169 तीर्थयात्रियों ने नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा में जाने के लिए पंजीकरण कराया है। तीर्थयात्री पश्चिमी नेपाल के नेपालगंज से सिमकोट और वहां से हिल्सा तक हवाई मार्ग से पहुंच रहे हैं। हिल्सा को चीन स्थित कैलाश मानसरोवर यात्रा का प्रवेश द्वार माना जाता है।

सिमकोट एयरपोर्ट प्रमुख महेन्द्र सिंह के अनुसार, 14 मई से अब तक 169 भारतीय नागरिक और 22 अन्य देशों के नागरिक पहुंचे हैं।

खराब मौसम के बावजूद शनिवार को समिट एयर की तीन उड़ानों के जरिए 47 तीर्थयात्री सिमकोट पहुंचे। रविवार को मौसम में सुधार होने के साथ तीर्थयात्रियों को सिमकोट ले जाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आवश्यक अनुमति पत्र (परमिट) न होने के कारण कुछ विदेशी यात्री कैलाश मानसरोवर की आगे की यात्रा जारी नहीं रख सके जिसके कारण इन सबको वापस भेज दिया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कोविड-19 प्रतिबंधों के बाद हिल्सा मार्ग दोबारा खुलने से यात्रा को लेकर लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। पिछले वर्ष चीन द्वारा मार्ग खोले जाने के बाद लगभग 6,500 भारतीय तीर्थयात्रियों ने इस रास्ते से कैलाश मानसरोवर तक की यात्रा की थी। इस वर्ष 14 मई से तीर्थयात्रा सीजन की शुरुआत हुई है।

अब भारत में करोड़ों बैरल तेल रखेगा यूएई

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को एक बहुत बड़ा बूस्ट मिलने जा रहा है। भारत के कच्चे तेल के रणनीतिक भंडार में लगभग 70 फीसदी की भारी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दिग्गज ऊर्जा कंपनी अबू धाबी नेशनल आयल कंपनी ने भारत में अपना क्रूड आयल स्टोरेज बढ़ाकर 3 करोड़ बैरल तक करने पर सहमति जताई है। इस ऐतिहासिक कदम से भारत का कुल कच्चा तेल रिजर्व पहले के मुकाबले काफी मजबूत स्थिति में आ जाएगा। अबू धाबी की इस दिग्गज ऊर्जा कंपनी और इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड के बीच यह अहम समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब युद्ध के चलते भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। यूएई भारत को कच्चा तेल सप्लाई करने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल है। इस नई डील के तहत जब यूएई अपना स्टोरेज 30 मिलियन बैरल तक बढ़ाएगा, तो भारत के कुल रणनीतिक भंडार में 40 लाख टन से अधिक अतिरिक्त कच्चे तेल की वृद्धि होगी। वर्तमान में भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में स्थित है, जिसकी कुल क्षमता 5.3 मिलियन टन (लगभग 38 मिलियन बैरल) है।

चीन में मिला 4500 साल पुराना विशाल शहर

बीजिंग

चीन में होउचेंगजुई स्टोन सिटी नामक प्राचीन स्थल की खुदाई के दौरान लगभग 4500 साल पुराना एक विशाल शहर सामने आया है। यह शहर चीन के उत्तरी क्षेत्र इनर मंगोलिया में पुरातत्वविदों को खुदाई के दौरान मिला है। इस शहर की सबसे बड़ी खासियत इसका जटिल सुरक्षा तंत्र और जमीन के नीचे फैला सुरंगों का नेटवर्क है। पुरातत्वविदों का कहना है कि यह खोज प्राचीन सभ्यताओं की इंजीनियरिंग क्षमता और सैन्य रणनीति को समझने में बेहद अहम साबित हो सकती है। हुन नदी के किनारे स्थित यह प्राचीन शहर करीब 13.8 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। अब तक की खुदाई में पता चला है कि यह केवल साधारण बस्ती नहीं थी, बल्कि एक मजबूत किलेबंद शहर था। यहां विशाल पत्थर की दीवारें, मजबूत प्रवेश द्वार, गहरी खाइयां और कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी। हालांकि असली रहस्य तब सामने आया जब पुरातत्वविदों ने जमीन के नीचे बनी गुप्त सुरंगों का पता लगाया। खुदाई में अब तक छह बड़ी सुरंगें मिली हैं, जो शहर के केंद्र से अलग-अलग दिशाओं में फैली हुई हैं। इन सुरंगों की बनावट किसी पहिए की तीलियों या मकड़ी के जाले जैसी दिखाई देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इनका इस्तेमाल केवल आवागमन के लिए नहीं, बल्कि युद्ध या हमले के समय रक्षा प्रणाली के रूप में किया जाता था। सुरंगें जमीन से

लगभग डेढ़ मीटर से छह मीटर की गहराई पर बनाई गई हैं और उनकी ऊंचाई एक से दो मीटर तक है, जिससे लोग आसानी से अंदर चल-फिर सकें। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि हजारों साल बीत जाने के बाद भी ये सुरंगें काफी हद तक सुरक्षित बनी हुई हैं। सुरंगों की दीवारों पर आज भी उन औजारों के निशान साफ दिखाई देते हैं, जिनसे इन्हें तराशा गया था। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार यह उस समय की बेहद उन्नत निर्माण तकनीक का प्रमाण है। इस खोज ने इतिहासकारों और वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया है। उनका कहना है कि जिस दौर में आधुनिक मशीनें और तकनीक मौजूद नहीं थीं, उस समय इतनी योजनाबद्ध संरचना तैयार करना असाधारण उपलब्धि मानी जाएगी। सुरंगों की मेहराबदार छतें और उनकी मजबूत संरचना लान्गशान संस्कृति की उन्नत वास्तुकला को दर्शाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन्हें साधारण कारीगरों ने नहीं, बल्कि उस समय के बेहद कुशल इंजीनियरों ने तैयार किया होगा। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि यह शहर उस समय का कोई महत्वपूर्ण सैन्य केंद्र या सांस्कृतिक राजधानी रहा होगा।

वैज्ञानिकों ने खोजी कार्बन डाइआक्साइड को कच्चे माल में बदलने की तकनीक

स्टैनफोर्ड

वैज्ञानिकों ने दुनिया के लिए एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव ला सकती है। ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते प्रदूषण से जूझ रही दुनिया के लिए नार्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने मिलकर एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है, जो वातावरण और फैक्ट्रियों से निकलने वाली कार्बन डाइआक्साइड को उपयोगी कच्चे माल में बदल सकता है। इस कच्चे माल का इस्तेमाल प्लास्टिक, दवाइयों और रोजमर्रा की कई जरूरी चीजें बनाने में किया जा सकेगा। अब तक कार्बन डाइआक्साइड को केवल प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग की बड़ी वजह माना जाता था, लेकिन इस नई खोज ने इसे उपयोगी संसाधन में बदलने की संभावना पैदा कर दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तकनीक कार्बन को कार्बन लेगोस की तरह इस्तेमाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, यानी कार्बन के छोटे-छोटे हिस्सों से जरूरत के अनुसार नए रसायन और उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे। शोधकर्ताओं ने इस नई तकनीक का नाम रिडक्टिव फार्मेट पाथवे रखा है, जिसे संक्षेप में रीफार्म कहा जा रहा है। यह सिस्टम जीवित कोशिकाओं के बाहर काम करता है और कार्बन डाइआक्साइड को एसिटाइल-कोए नामक महत्वपूर्ण अणु में बदल देता है। यह वही अणु है, जिसका उपयोग मानव शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलने के लिए करता है। वैज्ञानिकों ने प्रकृति की इसी प्रक्रिया की नकल करते हुए लैब में एंजाइम्स और बिजली की मदद से यह सिस्टम विकसित किया है। सबसे पहले कार्बन डाइआक्साइड को फार्मेट नामक साधारण कार्बन कंपाउंड में बदला जाता है। इसके बाद विशेष रूप से डिजाइन किए गए एंजाइम्स कार्बन के इन छोटे हिस्सों को जोड़कर बड़े और उपयोगी मालिक्यूल तैयार करते हैं। इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने 66 अलग-अलग एंजाइम्स का परीक्षण किया और उनमें से सबसे प्रभावी एंजाइम्स को चुना। इन एंजाइम्स को इस तरह तैयार किया गया कि वे कार्बन को तेजी से जोड़कर उपयोगी रसायनों में बदल सकें। पूरी प्रक्रिया किसी फैक्ट्री की असेंबली लाइन की तरह काम करती है, जहां हर चरण में नया रासायनिक ढांचा तैयार होता जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक पारंपरिक जैविक प्रणालियों से ज्यादा प्रभावी है। पेड़-पौधे और बैक्टीरिया भी कार्बन डाइआक्साइड को अवशोषित करते हैं, लेकिन उन्हें जीवित रहने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसके विपरीत रीफार्म सिस्टम पूरी तरह सेल-फ्री है, इसलिए इसकी सारी ऊर्जा केवल उपयोगी उत्पाद बनाने में खर्च होती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल जेवेट के अनुसार, यह पहली बार है जब किसी सिंथेटिक मेटाबालिक पाथवे ने इतनी कुशलता से काम किया है। यह सिस्टम फार्मेट के अलावा फार्मलडिहाइड और मेथनाल जैसे रसायनों का भी उपयोग कर सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि इस तकनीक को सौर और पवन ऊर्जा जैसी स्वच्छ ऊर्जा के साथ जोड़ा जाए, तो यह पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल बन सकती है। इससे उन रसायनों का उत्पादन भी संभव होगा, जिनके लिए दुनिया पेट्रोलियम और जीवाश्म ईंधन पर निर्भर है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान-पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा-प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें. किसी के बहकावे में आकर कोई ऐसा निर्णय ना लें जिसके कारण आपको शर्मिंदा होना पड़े.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी. पारिवारिक सदस्यों एवं मित्रों संग मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे. शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं. मन्दिर में मिट्टी का बर्तन दान करें, आपको सबका सपोर्ट मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी. आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा और आपके बच्चे आपके लिए गर्व का स्रोत बनेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्वपूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 18 मई 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ ,शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 05:56 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 11:33 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 09:47 तक
करण : बालव प्रातः 07:49 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 10:06 तक
सूर्योदय : 05:43,सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सर्वार्थ सिद्धि योग अहोरात्र , अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के चुनाव सम्पन्न, चैनसिंह राठौड़ बने अध्यक्ष

कोटा, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के वर्ष 2026-2030 कार्यकाल हेतु चुनाव रविवार को कोटा में शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया संघ के पंजीकृत उपविधियों के अनुसार पूर्ण पारदर्शिता के साथ आयोजित की गई।

चुनाव अधिकारी एडवोकेट रामगोपाल शर्मा की देखरेख में सम्पन्न हुए चुनाव में जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से ऑब्जर्वर ओ.पी. रणौत, राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ की ओर से सी.पी. जोशी तथा राजस्थान राज्य खेल परिषद की ओर से वाई.बी. सिंह उपस्थित रहे।

चुनाव परिणामों में चैनसिंह राठौड़ को अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। उपाध्यक्ष पद पर विक्रम सिंह भाटी, हिम्मत सिंह चौहान, अनुराग आर्या एवं कैलाश चन्द्र मुंद्रा निर्वाचित हुए। परमेश्वर प्रजापत को मानद सचिव तथा युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं वरिष्ठ खेल प्रशासक सीए सुदीश कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

संयुक्त सचिव पद पर हितेश मुद्गल, अरविंद पराशर, हरपाल सिंह, राधाकिशन बैरवा एवं डॉ. भारत सिंह निर्वाचित हुए। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. शक्तिसिंह रावलोत, प्रदीप सिंह, भंवरलाल गौरी, हरिसिंह राठौड़, जितेंद्र सिंह चौहान एवं श्रीमती डिम्पल सोलंकी को चुना गया।

सीए सुदीश कुमार शर्मा के कोषाध्यक्ष निर्वाचित होने पर खेल जगत में विशेष उत्साह देखा गया। सीए शर्मा वर्तमान में बीकानेर ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं जिला जिम्नास्टिक्स संघ, बीकानेर के अध्यक्ष हैं। वे लंबे समय से खेल एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। खिलाड़ी पृष्ठभूमि से जुड़े होने के कारण उन्होंने सदैव खिलाड़ियों के प्रोत्साहन, खेल सुविधाओं के विस्तार तथा युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य किया है।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने राजस्थान में जिम्नास्टिक्स खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर खेल गतिविधियों को सशक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों एवं प्रतिनिधियों ने संगठन की एकता, खेल भावना एवं सकारात्मक सहयोग के साथ कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।

गंगा का जल मिलेगा तभी संबंध सुधरेंगे

फरक्का संधि के रिन्यूअल पर अड़ा बांग्लादेश

नयी दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश और भारत के रिश्तों के बीच एक बार फिर पानी बड़ा मुद्दा बनता दिख रहा है। ढाका में आयोजित एक कार्यक्रम में बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी बीएनपी के महासचिव और ग्रामीण विकास मंत्री मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने साफ कहा कि भारत के साथ अच्छे रिश्तों का भविष्य अब गंगा जल बंटवारा समझौते पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2026 में खत्म हो रही गंगा वॉटर शेयरिंग ट्रीटी को नए सिरे से बांग्लादेश की ''उम्मीदों और जरूरतों'' के मुताबिक तैयार किया जाना चाहिए।

आलमगीर ने कहा कि ढाका भारत को एक स्पष्ट संदेश देना चाहता है कि नई संधि पर जल्द बातचीत शुरू होनी चाहिए। उनका कहना था कि जब तक नया समझौता नहीं हो जाता, तब तक पुरानी संधि को जारी रखा जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भविष्य में जल बंटवारे के समझौते किसी तय समय सीमा तक सीमित नहीं होने चाहिए।

भारत से बांग्लादेश में प्रवेश करने के बाद गंगा को बांग्लादेश में पद्मा कहा जाता है। खेती, पीने के पानी, मछली पालन और पर्यावरण के लिहाज से यह नदी बेहद अहम मानी जाती है। बांग्लादेश का दावा है कि फरक्का बैराज की वजह से सूखे मौसम में पानी का प्रवाह कम हो जाता है, जिससे कई इलाकों में खारापन बढ़ा है और खेती को नुकसान पहुंचा है।

हाल ही में बांग्लादेश सरकार ने पद्मा नदी पर एक बड़े बैराज प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट 2033 तक पूरा होने की उम्मीद है। ढाका का कहना है कि इसका मकसद फरक्का बैराज के नकारात्मक प्रभाव को कम करना है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इससे नदी में गाद जमा होने और जलस्तर बढ़ने की समस्या और गंभीर हो सकती है।

इससे पहले बीएनपी नेताओं ने तीस्ता जल समझौते को लेकर भी पश्चिम बंगाल की राजनीति पर निशाना साधा था। बीएनपी के नेताओं ने आरोप लगाया था कि ममता बनर्जी की सरकार की वजह से भारत-बांग्लादेश के बीच तीस्ता समझौता अटका हुआ है। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई थी कि इससे तीस्ता वार्ता आगे बढ़ सकती है।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को सिकंदराबबाद स्थित कार्यालय में अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक में समाज के वैवाहिक कार्यों पर चर्चा की गई। जिसमें 40 से अधिक सदस्यों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन दुर्गाप्रसाद बंसल ने की। बैठक में मुख्य रूप से अरविंद गोयल, शिवराज अग्रवाल, रवि अग्रवाल, संतोष देवी बंसल, बृजमोहन गर्ग, केशव संघी, वीरेंद्र अग्रवाल, पवन अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंघल, डिम्पल सिंगर, प्रवीण अग्रवाल, अजय संघी, परीक्षित अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, अजय गुप्ता, आशीष अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कमेटी के सदस्यों ने समाज के युवाओं के बेहतर भविष्य और बायोडाटा संकलन की प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने के संकल्प के साथ बैठक का समापन हुआ।

50 वर्ष बाद पुरानी यादें हुईं ताज़ा

जैन स्कूल, चिकपेट के क्लासमेट्स का भावुक रीयूनियन

बेंगलूरु, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आधी सदी बाद बचपन के दोस्तों के चेहरों को देखकर समय ठहर सा गया। जैन स्कूल, चिकपेट के क्लासमेट्स का 50 वर्षीय भव्य रीयूनियन शनिवार को आयोजित किया गया, जिसमें पुरानी यादों का सैलाब उमड़ पड़ा।

स्कूल की शरारतें, क्लासरूम की हंसी-मजाक, टीचर्स की डांट और उन सुनहरे दिनों की बातें आज एक बार फिर जीवंत हो उठीं। लंबे समय के बाद मिले दोस्त एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए और आंखें नम हो गईं।

रीयूनियन में उपस्थित ऊर्जावान सदस्य प्रकाश पिरगल ने भावुक होते हुए कहा, समय भले ही 50 साल आगे बढ़ गया हो, लेकिन हमारी दोस्ती का अपनापन और दिलों का रिश्ता आज भी बिल्कुल ताज़ा और मजबूत है।

उन्होंने बताया कि यह मिलन मात्र एक रीयूनियन नहीं, बल्कि भावनाओं, यादों और अनमोल मित्रता का महोत्सव साबित हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस पल को अपने जीवन के अनमोल पलों में शामिल करने की बात कही। यह रीयूनियन दोस्ती की अमरता और समय की दूरी को पाटने की मिसाल बन गया।

दुर्लभ पेल्विक ट्यूमर सर्जरी में मिली नई जिंदगी

32 वर्षीय युवक का सेमी विशाल ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैनिकपुरी स्थित प्योर ऑर्थो हॉस्पिटल्स के डॉक्टरों ने 10 वर्ष से विशाल ट्यूमर से पीड़ित 32 वर्षीय युवक की अत्यंत जटिल पेल्विक ट्यूमर सर्जरी सफलतापूर्वक कर दी है। ट्यूमर की दुर्लभता और जटिलता को देखते हुए कई अस्पतालों ने सर्जरी करने से इनकार कर दिया था।

जांच में मरीज के पेल्विस क्षेत्र में 20 सेमी 30 सेमी आकार का बड़ा ऑस्टियोचॉन्ड्रोमा पाया गया, जिसमें कैंसर (कॉन्ड्रोसारकोमा) में बदलने की आशंका थी। ट्यूमर की स्थिति अत्यधिक जोखिम भरी होने के कारण इलाज की चुनौती कई गुना बढ़ गई थी।

मरीज के परिवार ने ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. वी. एस. अभिलाष कुमार की विशेषज्ञता के बारे में जानकर प्योर ऑर्थो हॉस्पिटल्स से संपर्क किया। विस्तृत जांच और मल्टी-डिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड की समीक्षा के बाद सर्जरी की योजना तैयार की गई।डॉ. वी. एस. अभिलाष कुमार के नेतृत्व में डॉ. उदय रेड्डी, डॉ. मनोज पुदारी, डॉ. साई कार्तिकेय बद्री और डॉ. साई कृष्ण सी. एस. की टीम ने वाइड लोकल एक्सिशन सर्जरी कर ट्यूमर को पूरी तरह निकाल दिया। सर्जरी के दौरान डॉ. जयंथ वर्मा और डॉ. लक्ष्मी कुमार जास्ती की एनेस्थीसिया टीम तथा पोस्ट-ऑपरेटिव केयर में डॉ. गौतम रेड्डी के नेतृत्व वाली आईसीयू टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सर्जरी के बाद डॉ. श्री राम एल के मार्गदर्शन में फिजियोथेरेपी शुरू कर दी गई है और मरीज फिलहाल स्थिर स्थिति में रिकवरी कर रहा है।विशेष रूप से इस पूरे इलाज को मरीज की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए किफायती रखा गया, जिससे उन्हें उन्नत स्तर का इलाज बिना भारी आर्थिक बोझ के उपलब्ध हो सका। डॉक्टरों ने बताया कि यह सर्जरी पेल्विक क्षेत्र के दुर्लभ ट्यूमर मामलों में बेहतर सफलता का उदाहरण है।

सेवा संस्कारों से तीन पीढ़ियां जुड़ीं समाज सेवा से : पंकज अग्रवाल

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का श्रद्धा, सेवा एवं मानवता की भावना के साथ भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को प्रेम एवं सम्मानपूर्वक अन्न वितरण किया गया। सेवा कार्य के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय, भावुक एवं पारिवारिक अपनत्व से ओतप्रोत दिखाई दिया।

कार्यक्रम में परिवार के वरिष्ठ सदस्य जगत नारायण अग्रवाल के मार्गदर्शन में उनके पुत्र पंकज अग्रवाल, पुत्रवधु मोनू अग्रवाल तथा नई पीढ़ी के रूप में वंश और शेर ने भी पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लिया। इसके साथ ही वन अग्रवाल एवं सुरेश अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पंकज अग्रवाल एवं मोनू अग्रवाल ने कहा कि सेवा केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि परिवार के संस्कारों की सबसे बड़ी पहचान है। जब परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ मिलकर जरूरतमंदों की सहायता करती हैं, तब समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और बच्चों में भी बचपन से ही सेवा, सहयोग एवं मानवता की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्न वितरण करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों के जीवन में सम्मान, अपनत्व और विश्वास का भाव पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक अन्न वितरण किया गया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, वन अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, वंश, शेर, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

'साहित्य कट्टा – साहित्य रंग' की तीन एकांकियों ने बांधा समां

तेलंगाना की धरा पर छा गए हिन्दी प्रेमी युवा : 'एक हृदय हो भारत जननी' का नारा हुआ साकार

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की विख्यात साहित्यिक संस्था 'साहित्य कट्टा – साहित्य रंग' के तत्वावधान में गच्चीबौली स्थित रंगभूमी के परिसर में हिन्दी की तीन एकांकियों का भव्य मंचन हुआ। हजारों दर्शकों की उपस्थिति में तेलंगाना की धरा पर हिन्दी प्रेमी युवा छा गए और उन्होंने ऐसा समा बांधा कि 'एक हृदय हो भारत जननी' का नारा तेलुगु प्रांत में साकार हुआ। रंगमंच प्रेमियों के लिए यह यादगार संध्या रही।

पहली एकांकी सुप्रसिद्ध नाट्य लेखक व दिग्गज अभिनेता प्रवीण कावडकर की थी। 'ओल्ड मंक इन ओल्ड बॉटल' नामक इस एकांकी का दिग्दर्शन प्रवीण कावडकर व संदीप केलकर ने किया। थीम रही एक इंजीनियर लड़के की, जो नौकरी छोड़कर दो साल टेनिस की प्रैक्टिस कर नेशनल खेलना चाहता है। पिता, जो स्वयं शादी से पहले रणजी ट्रॉफी प्लेयर रह चुके थे, बेटे के सपने के साथ हैं, पर मां तैयार नहीं। बाप-बेटे ने मिलकर मां की सहमति के लिए जो ड्रामा रचा, वह देखते ही बना। इस एकांकी में कपिल कुलकर्णी, राशू गुप्ता, अभिषेक गुप्ता ने जीवंत अभिनय से दर्शकों को मोहित कर दिया।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार व युवा हृदय सम्राट पुष्कर कुलकर्णी द्वारा लिखित 'टाइम झोन का प्यार' एकांकी का निर्देशन प्रतिष्ठित आगाशे परिवार की सुप्रिया आगाशे ने किया। इस एकांकी का विषय बिल्कुल हटके था। इसमें शर्वरी जोशी, अमित जोशी व डॉ. प्रियंका लाटकर ने भावपूर्ण अभिनय से संदेश बखूबी पहुंचाया। प्रवीण कावडकर द्वारा रचित व वैशाली केलकर द्वारा निर्देशित 'एक स्टेशन ऐसा' एकांकी ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। अभिनेता मोहित पुनासिया, प्रज्ञा कार, वैशाली केलकर, सीमा मुजुमदार, दिनेश मैथानी व ऋषभ ने शानदार अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। सीमा मुजुमदार ने मूंगफली वाली की बोली-टोन बखूबी पकड़ी।

तकनीकी टीम में शामिल प्रकाश व्यवस्था – अभिलाषा कुलकर्णी, संगीत – संदीप केलकर व स्वाती चौधरी, ग्राफिक्स – सुमित पांडे, मेकअप – प्रीति पांडे व प्रकाश फडणीस ने अपनी अपनी भूमिका बखूबी निभाई। ज्योती कुलवंत कौर ने बेहद सुंदर तरीके से संचालन किया। अरुण डवलेकर, प्रगती रानडे, मीरा कुलकर्णी, हेरंभ मिशा, अवधूत कुलकर्णी, सुमित पांडे, संदीप केलकर, प्रवीण कावडकर और पुष्कर कुलकर्णी के आयोजन में तीनों एकांकियों का मंचन हुआ।

कांग्रेस नेता एन.के. सिंह अपनी जन्मभूमि पटना (बिहार) में परिवार के साथ विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाकर दर्शन प्राप्त किए। उन्होंने पटनादेवी माता मंदिर, पटना साहिब गुरुद्वारा, महावीर मंदिर और आईएसकॉन मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर एन.के. सिंह, श्रीमती मालती देवी, मनोहर सिंह, संदीप सिंह, रिंकी सिंह, पूजा, ऋषिका एवं ज्योति सहित समस्त परिवार ने भगवान से सुख, शांति और कल्याण की प्रार्थना की।

गृह प्रवेश कर रहें हैं तो करें ये उपाय, जानें किस यंत्र से होगी कौन सी बाधा दूर

घर में प्रवेश करने से पहले बडे-बुजुर्ग, पूजनीय, पित्रों (इष्ट) का आशीर्वाद लें तथा भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से सबके मन में सकारात्मक प्रभाव आता है और उनकी सकारात्मक शक्ति आपको जीवन में आगे बढने का हौसला देती है।

मकान, वस्तु शास्त्र की विधि द्वारा बनवाना जितना जरूरी है, उतना ही ज्योतिष विद्या के अनुसार गृह प्रवेश भी जरूरी है। विभिन्न ज्योतिष ग्रंथों में नक्षत्रों को ध्यान में रखकर गृहप्रवेश विधि का वर्णन किया गया है। सभी ज्योतिष शास्त्रों में गृह प्रवेश को विधि विधान द्वारा ही शुभ माना जाता है। ऐसा न करने पर कोई अनहोनी या समस्या जातक को परेशान कर सकती है।

नए मकान में प्रवेश करने से पहले रंगाई- पुताई करवाकर पानी के सभी नल, बिजली के कनेक्शन आदि की अच्छी तरह से जांच कर लेनी चाहिए। शुभ मुहूर्त में, मकान का फर्श- सुथरा करके यज्ञ, हवन, पूजन, दीप, धूप आदि द्वारा विधि- विधान से गृह प्रवेश पूजन सम्पन्न करना चाहिए। घर में प्रवेश करने से पहले बडे- बुजुर्ग, पूजनीय, पित्रों (इष्ट) का आशीर्वाद लें तथा भोजन कराना चाहिए। ऐसा करने से सबके मन में सकारात्मक प्रभाव आता है और उनकी सकारात्मक शक्ति आपको जीवन में आगे बढने का हौसला देती है। रोजाना घर में फिटकरी के पानी से पोछा लगाना भी बेहद लाभकारी माना जाता है। घर में वास्तु दोष निवारक यंत्र अवश्य रखें इससे अगर घर की बनावट में किसी तरह की परेशानी होगी तो दूर होगी।

हिंदू धर्म संस्कृति में प्राचीन युग से ही वास्तु देवता की प्रसन्नता के लिए उनकी पूजा का विशिष्ट स्थान रहा है। चाहे नगर निर्माण हो या भवन निर्माण अथवा कर्मकांड के लघु एवं बृहत यज्ञानुष्ठान आदि हों, इन सभी कार्यों में सफलता में आने वाली बाधाओं के शमन के लिए वास्तुपुरुष की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। ऐसी स्थिति में संपूर्ण वास्तुयंत्र को अपने घर में स्थापित करने से वास्तु देवता प्रसन्न होते हैं जिससे घर की सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

श्री गायत्री यंत्र: गायत्री यंत्र के पूजन, दर्शन से घर में सात्विक वातावरण बनता है जिससे घर के सभी सदस्यों में पवित्र भावना का विकास होता है। महामृत्युंजय यंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से घर में दु:ख, बीमारियों से रक्षा होती है, व्यक्ति उन्नति की ओर अग्रसर होता है।

श्री काली यंत्र: महाकाली यंत्र के दर्शन, पूजन से अकाल मृत्यु से रक्षा होती है। आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। श्री वास्तु महायंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से घर में वास्तुदोष का निवारण होता है। घर की सुरक्षा बनी रहती है।

श्री केतु यंत्र: केतु यंत्र के दर्शन, पूजन से अचानक होने वाली अशुभ घटनाओं का पूर्वाभास होता है। व्यक्ति सावधानीपूर्वक विकट स्थितियों का सामना करने में सफल होता है।

श्री राहु यंत्र: इस यंत्र के दर्शन, पूजन से कार्यों में आने वाली अडचनें दूर होती हैं। सामान्य संघर्ष के बाद व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है।

श्री शनि यंत्र: शनि यंत्र के पूजन, दर्शन से हीन भावनाओं का नाश होता है। व्यक्ति स्थिरतापूर्वक कार्यक्षेत्र में सफ्ल होता है।

श्री मंगल यंत्र: मंगल यंत्र के पूजन, दर्शन से धैर्य एवं साहस में वृद्धि होती है जिससे व्यक्ति निडर होकर कार्य करता है।

श्री कुबेर यंत्र: कुबेर यंत्र के पूजन, दर्शन से आय के स्रोतों में वृद्धि होती है। धन का सदुपयोग होता है।

इसीलिए इसका नाम स्कंद पुराण पडा

स्कंदपुराण का मूल रचनाकाल सातवीं शताब्दी माना जाता है, पर इसमें समय-समय पर सामग्री जुडती गई है। इसके वृहदाकार का यही कारण है। शिव-पुत्र कार्तकेय का नाम ही स्कन्द है।

पुराणों के क्रम में स्कंद पुराण का तेरहवां स्थान है। आकार की दृष्टि से सबसे बडा पुराण है। इसमें स्कंद (कार्तकेय) द्वारा शिवतत्व का वर्णन किया गया है। इसीलिए इसका नाम स्कंद पुराण पडा। इसमें तीर्थों के उपाख्यानों और उनकी पूजा-पद्धति का भी वर्णन है। 'वैष्णव खंड' में जगन्नाथपुरी की और 'काशीखंड' में काशी के समस्त देवताओं, शिवलिंगों का आविर्भाव और महात्म्य बताया गया है। 'आवन्यखंड' में उज्जैन के महाकलेश्वर का वर्णन है।

हिंदुओं के घर-घर में प्रसिद्ध 'सत्यनारायण व्रत' की कथा 'रेवाखंड' में मिलती है। तीर्थों के वर्णन के माध्यम से यह पुराण पूरे देश का भौगोलिक वर्णन प्रस्तुत करता है। स्कंदपुराण का मूल रचनाकाल सातवीं शताब्दी माना जाता है, पर इसमें समय-समय पर सामग्री जुडती गई है। इसके वृहदाकार का यही कारण है। शिव-पुत्र कार्तकेय का नाम ही स्कन्द है। स्कन्द का अर्थ होता है- क्षरण अर्थात् विनाश। भगवान शिव संहार के देवता हैं। उनका पुत्र कार्तिकेय संहारक शस्त्र अथवा शक्ति के रूप में जाना जाता है। यह छह संहिताओं-सनत्कुमार संहिता, सूत संहिता, शंकर संहिता, वैष्णव संहिता, ब्रहम संहिता तथा सौर संहिता में विभाजित है।

'स्कन्द पुराण' में इक्यासी हजार श्लोक हैं। इस पुराण का प्रमुख विषय भारत के शैव और वैष्णव तीर्थों के माहात्म्य का वर्णन करना है। उन्हीं तीर्थों का वर्णन करते समय प्रसंगवश पौराणिक कथाएं भी दी गई हैं। बीच-बीच में अध्यात्म विषयक प्रकरण भी आ गए हैं। तुलसीदास के 'रामचरित मानस' में इस पुराण का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है।

'स्कन्द पुराण' कहता है कि ममता-मोह त्याग कर निर्मल चित्त से मनुष्य को भगवान के चरणों में मन लगाना चाहिए। तभी वह कर्म के बन्धनों से मुक्त हो सकता है। मन के शान्त हो जाने पर ही व्यक्ति योगी हो पाता है। जो व्यक्ति राग-द्वेष छोडकर क्रोध और लोभ से दूर रहता है, सभी पर समान दृष्टि रखता है तथा शौच-सदाचार से युक्त रहता है; वही सच्चा योगी है।

'स्कन्द पुराण' में जितने तीर्थों का उल्लेख है, उतने तीर्थ आज देखने में नहीं आते। उनमें से अधिकांश तीर्थों का तो नामोनिशान तक मिट गया है और कुछ तीर्थ खण्डहरों में परिवर्तित हो चुके हैं। इस कारण समस्त तीर्थों का सही-सही पता लगाना अत्यन्त कठिन है। किन्तु जिन तीर्थों का माहात्म्य प्राचीन काल से चला आ रहा है, उनका अस्तित्व आज भी देखा जा सकता है।

जब पार्वती ने दिया शिवजी को श्राप

भगवान शंकर ने माता पार्वती को अपने साथ द्युत क्रीडा खेलने का प्रस्ताव दिया। इस खेल में भगवान शिव सब कुछ पार्वतीजी के हाथों हार जाते हैं। द्युत क्रीडा में सब कुछ हारने के बाद भगवान शिव पत्तों के वस्त्र पहनकर गंगा के तट पर चले जाते हैं।

द्युत क्रीडा (जुआ) ने केवल मनुष्यों को ही बर्बाद नहीं किया है बल्कि इसके चपेट से भगवान भी नहीं बच सके। महाभारत काल में पांडवों को तथा पार्वती के साथ भगवान शिवजी को भी इस खेल में सब कुछ गवाना पडा था। शायद इन्हीं देवताओं की गलती से सबक लेकर बडे-बुजर्गों ने हम सबको जुआ को खेल नहीं एक बुराई के रूप में बताया है। जुआ के कारण उस काल से लेकर इस काल तक कई परिवार बर्बाद हुए हैं। इसे कभी भी एक खेल के रूप में नहीं देखा गया क्योंकि इसके पीछे बिना मेहनत के लाभ कमाना और षडयंत्र जैसे कृत शामिल होता है। जुआ के कारण भगवान शंकर को सबकुछ हारना पडा था।

कहा जाता है कि एक बार भगवान शंकर ने माता पार्वती को अपने साथ द्युत क्रीडा खेलने का प्रस्ताव दिया। इस खेल में भगवान शिव सब कुछ पार्वतीजी के हाथों हार जाते हैं। द्युत क्रीडा में सब कुछ हारने के बाद भगवान शिव पत्तों के वस्त्र पहनकर गंगा के तट पर चले जाते हैं।

यह देख पार्वती बहुत चिंतित हो गई । माता पार्वती ने गणेश जी को पूरी बात बतायी। माता की व्यथा सुनकर गणेश जी स्वयं जुआ खेलने शंकर भगवान के पास पहुंचते हैं। गणेश जी की लीला देखिए वह शिवजी से द्युत क्रीडा जीत जाते हैं। यह समाचार माता को सुनाते हैं लेकिन माता पार्वती खुश नहीं होती है। वह उन्हें अपने साथ शिवजी को लाने के लिए भी कहती हैं। गणेशजी भोलेबाबा की तलाश में चले जाते हैं।

उधर पार्वती से नाराज भोलेबाबा लौटने से इंकार कर देते है। भोलेनाथ की मदद के लिए उनके परम भक्त रावण ने बिल्ली का रूप धारण कर गणेश जी के वाहन मूषक भगा देते हैं। अब भगवान विष्णु ने भोलेनाथ की इच्छा से पासा का रूप धारण कर लिया। शंकरजी ने गणेशजी से कहा कि यदि पार्वती फिर से मेरे साथ जुआ खेलने के लिए राजी होती है तो मैं चलने के लिए तैयार हूँ।

शिवजी के प्रस्ताव पर पार्वती हस पडी और कहा कि अब जुआ खेलने के लिए आपके पास है क्या यह सुनकर नारद जी ने अपनी वीणा आदि सामग्री शिवजी को दे दिया। चूकी पासा के रूप में भगवान विष्णु थे इसलिए हर बाजी शिवजी जीतने लगे। परन्तु इस खेल की चाल गणेश जी समझ गए और माता पार्वती को बता दिया। यह सुनकर पार्वती जी को गुस्सा आ गया। यह देख रावण ने माता पार्वती को समझाने का प्रयत्न किया पर उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ।

क्रोध में माता ने भोलेनाथ को श्राप दिया कि गंगा की धारा का बोझ उनके माधे पर हमेशा बना रहेगा। पार्वती जी ने नारद को भी श्राप दिया कि वे कभी एक स्थान पर नहीं टिक सकेंगे। उन्होंने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि रावण तुम्हारा शत्रु होगा और रावण का विनाश विष्णु के हाथों होगा तथा कार्तिकेय को माता पार्वती ने कहा कि वह हमेशा बालक के रूप में ही रहेंगे।

यह पूजा और मंत्र आपके ज्ञान, बुद्धि और भाग्य को बेहतर बनाएंगे

हिन्दू धर्म शास्त्रों के मुताबिक गुरु बृहस्पति ज्ञान, बुद्धि और भाग्य को नियत करने वाले देवता माने गए हैं। साथ ही सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए भी गुरु पूजा श्रेष्ठ उपाय है। इन इच्छाओं को जल्द पूरा करने के लिये गुरुवार के दिन देव गुरु बृहस्पति की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। गुरुवार के दिन इस बेहद आसान गुरु बृहस्पति मंत्र से पूजा बुद्धि, ज्ञान और वैवाहिक बाधाओं को दूर कर किस्मत चमकाने वाली मानी गई है। इसलिए जानिए, गुरु पूजा की सरल विधि व मंत्र -

बृं बृहस्पतये नम:।

देवगुरु बृहस्पति के तंत्रोक्त मंत्र ना सिर्फ धन और वैभव की दृष्टि से चमत्कारी है बल्कि तुरंत असर करने वाले हैं। जरूरत है इन्हें एक साथ निरंतर जपने की। इन चमत्कारी पांचों मंत्रों की जप संख्या 19 हजार है। आप किसी भी एक गुरु मंत्र का गुरुवार के दिन जप कर सकते हैं।

गुरुवार के दिन नवग्रह या बृहस्पति मंदिर में गुरु बृहस्पति की प्रतिमा को पंचामृत स्नान या केसर मिले दूध से स्नान के बाद पूजा गंध, अक्षत, पीले फूल चढाएं, पीले पकवानों का भोग लगाएं। बाद पीले आसन पर बैठ नीचे लिख बेहद आसान बृहस्पति मंत्र का यथाशक्ति या कम से कम 108 बार सौभाग्य कामना से जप करें व आरती करें-

ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।
ॐ ऐं श्रीं बृहस्पतये नम:।
ॐ गुं गुरवे नम:।
ॐ बृं बृहस्पतये नम:।
ॐ क्लीं बृहस्पतये नम:।

सूर्य के बाद सबसे विशाल ग्रह भी बृहस्पति ही है। देवपूज्य बृहस्पति या गुरु दार्शनिक, आध्यात्मिक ज्ञान को निर्देशित करने वाला उत्तम ग्रह माना गया है। देवगुरु बृहस्पति के तंत्रोक्त मंत्र ना सिर्फ धन और वैभव की दृष्टि से चमत्कारी है बल्कि तुरंत असर करने वाले हैं। जरूरत है इन्हें एक साथ निरंतर जपने की।

हिंदू धर्म में महिलाएं क्यूं नहीं फोडती नारियल

यदि भगवान को नारियल चढाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। आपने अक्सर मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या तो पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोडता है।

पूजा के कार्य में नारियल का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। किसी भी देवी देवता की पूजा नारियल के बिना अधूरी मानी जाती है। यदि भगवान को नारियल चढाया जाए तो, धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

आपने अक्सर मंदिरों में देखा होगा कि नारियल को या तो पंडित जी या फिर कोई पुरुष ही फोडता है। महिलाओं को नारियल फोडने का अधिकार हिंदू धर्म में नहीं दिया गया है। क्या आपके मन में कभी ऐसा प्रशन्न उठा है कि जब हम महिलाओं को लक्ष्मी का दर्जा देते हैं, तो उनका नारियल फोडने से अधिकार क्यूं छीन लेते हैं। इसके पीछे भी राज है, आइये जानते हैं इसके बारे मे नारियल के पीछे भी एक कथा छुपी हुई है। वह यह है कि ब्रम्हा ऋषि विश्वामित्र ने विश्व का निर्माण करने से पहले नारियल का निर्माण किया था। यह मानव का प्रतिरूप माना गया था। नारियल को बीज रूप माना गया है, जो प्रजनन क्षमता से जुडा है।

स्त्रियों बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती है और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोडना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढाने के बाद पुरुष ही इसे फोडते हैं। हांलाकि इसके बारे में ना तो कहीं लिखा गया है और ना ही देवी-देवताओं ने इससे जुडे निर्देश कभी दिये हैं। यह सब सामाजिक मान्यताओं और विश्वास के चलते बरसों से हमारे रीति-रिवाज का हिस्सा बना हुआ है।

कब लगती है लू?

गर्मी में सबसे बड़ी समस्या होती है लू लगना। अंग्रेजी भाषा में इसे हीट स्ट्रोक (Heat Stroke) और सनस्ट्रोक (Sun Stroke) भी कहते हैं। गर्मी में उच्च तापमान में ज्यादा देर तक रहने से या गर्म हवा के झोंकों से संपर्क में आने पर लू (Loo) लगने का डर अधिक होता है। गर्मी में शरीर के द्रव (Body Fluids) सूखने लगते हैं। शरीर से पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। लू लगने पर शरीर में गर्मी, खुश्की और थकावट महसूस होती है। इसमें गर्मी के कारण होने वाली और कई मामूली बीमारियां भी शामिल होती हैं जैसे कि हीट एडेमा (शरीर का सूजना), हीट रैश, हीट क्रैम्प्स (शरीर में अकड़न) और हीट साइनकॉप (बेहोशी) आदि। चिकित्सक शरीर के तापमान को 105 डिग्री फारेनहाइट से अधिक रहने पर और शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम में जटिलताओं के पेश आने पर लू लगना (Heat Stroke) कहते हैं। गर्मी में अधिक शारीरिक गतिविधि करने पर, मोटे कपड़े पहनने पर, ज्यादा शराब पीने पर और कम पानी पीने पर लू लगने का खतरा सबसे ज्यादा मंडराता है।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

अच्छी सेहत के लिए ऐसे खाएं फल

आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि फल खाने से सेहत दुरस्त रहती है और चेहरे पर रंगत बनी रहती है। लेकिन क्या आपको पता है कि फलों को एक खास तरीके से खाना चाहिए। आइए जानें क्या है वह खास तरीका।

जूस नहीं खाएं पूरा फल

अक्सर देखा जाता है कि लोग फलों को खाने की बजाए उनका जूस पीकर अपनी सेहत सुधारना चाहते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो यकीन मानिए कि ऐसा करने से आप अपना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। फलों को दांत से खाकर आपके जबड़े की एक्सरसाइज होती है। फलों के गूदे में मौजूद फाइबर से आपका पाचन तंत्र ज्यादा बेहतर तरीके से काम करता है। उन फलों को चुनें जिनमें पोटेशियम की मात्रा ज्यादा हो। मसलन केले, बेर, आड़ू, खुबानी, खरबूजे, तरबूज और संतरे में पोटेशियम की मात्रा ज्यादा होती है।

सजाएं फलों की टोकरी

आपको यह सुनने में भले ही अजीब लग सकता है लेकिन आपको अपनी डाईनिंग टेबल या फ्रिज में फलों की एक टोकरी रखनी चाहिए। इससे आप दिन में कई बार फलों का सेवन कर पाएंगे। क्योंकि फलों को पैक करके रखने से आप फल खाने के लिए विशेष मौके का इंतजार करेंगे। लेकिन बार-बार नजरों के सामने आते हुए टोकरी में रखे हुए फल आप आसानी से खा पाएंगे।

खाने में कैसे शामिल करें फल

सुबह के नाश्ते में आप केले और आडु शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा पेनकेक्स में ब्लूबैरी को मिला सकते हैं। इसके अलावा सलाद में अन्नास मिला सकते हैं। सलाद में मेंडेरिन संतरे और अंगूरों को भी शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा नाश्ते में आप ड्राई फ्रूट्स भी ट्राई कर सकते हैं।

नींबू, सेहत व सौंदर्य के लिए

चाहे कोई भी मौसम हो, नींबू एक ऐसा फल है जो हर घर में हर समय मिलता है। यह केवल खाने का स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि इसमें कई औषध गुण भी मौजूद हैं तो कई सुंदर साधन भी है। विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है और पोटेशियम घुलनशील, जिसके चलते ज्यादा मात्रा में इसका सेवन भी नुकसानदायक नहीं होता। विटामिन सी से भरपूर नींबू शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने का अहसास होने लगता है। नींबू के कुछ ब्यूटी टिप्स और कुछ औषधी गुण आपकी जानकारी के लिए प्रस्तुत है।

हैल्थ टिप्स

- बदहजमी होने पर नींबू काटकर उसकी फांक या छोटे टुकड़े में काला नमक लगाकर चूसने से आराम आता है।
- अक्सर चक्कर आ रहे हों या उल्टी आ रही हों तो नींबू के टुकड़े पर काला नमक, काली मिर्च लगाकर खाने से चक्कर आने बंद हो जाते हैं और उल्टी भी बंद हो जाती है।
- जिनको भूख कम लगती है और पेट दर्द की शिकायत रहती है उनको नींबू की फांक में काला या सेंधा नमक लगाकर उसको तवे पर गर्म करके चूसने से ना केवल दर्द में आराम मिलता है बल्कि भूख भी खुलकर लगती है।
- बरतन साफ करने से हाथों की दरारें मैली हो जाती हैं। नींबू के छिलकों को रगड-रगड कर साफ करने से आपके हाथ ही नहीं नाखून तक साफ हो जाएंगे। इन छिलको से कुहनियों का कालापन भी दूर हो जाता है।
- चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें।

- नारियल के तेल में नींबू का रस मिलाकर रात में सिर में हल्के हाथ से लगाएं, हफ्ते में कम से कम 2-3 दिन तक मालिश करें। बालों की खुश्की दूर हो जाती है।
- यदि मालिश ना भी करें तो सिर धोने के पानी में दो नींबू निचोड़कर एक हफ्ता लगातार प्रयोग करने से बाल मुलायम होते हैं, उनका झड़ना कम होता है और खुश्की या रूसी भी कम होती है।
- सुबह स्नान करने से पहले नींबू के छिलकों को चेहरे पर धीरे-धीरे मलकर 2-3 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इसे 10 -15 दिन लगाता करने से चेहरे का रंग साफ हो जाता है। यह बाजार में मिलने वाले किसी ब्लीचिंग क्रीम या ब्यूटी पालर में कराए जाने वाले ब्लीच का काम करेगा।
- नींबू का रस और गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं, कुछ दिनों के लगातार प्रयोग से चेहरा बेदाग और स्किन कोमल व स्वच्छ हो जाती है।
- नींब और तुलसी की पत्तियों का रस समान मात्रा में मिलाकर किसी कांच के बर्तन में रख लें और दिन में कम से कम दो बार हल्के हाथ से चेहरे पर लगाएं। कुछ दिन के लगाकर इस्तेमाल से चेहरे पर झाइयां या किसी भी प्रकार के निशान मिट जाते हैं।
- चेहरा जल जाने पर यदि चेहरे पर काले दाग पड़ गए हों तो एक टमाटर के गूदे में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर सुबह-शाम लगाएं और थोड़ी देर बाद धो लें।

जानिए कितनी लाभकारी है फिटकरी?

कई सालो से हमारे घरों में फिटकरी का प्रयोग होता आ रहा है। गलत ना होगा कि फिटकरी कई सारे औषधीय गुंणों की खदान हैं। यह एंटीबैक्टीरियल होती है, जिसे हर घर में प्रयोग किया जाता है। फिटकरी दो प्रकार की होती है लाल व सफेद। अमूमन घरों में हमेशा सफेद फिटकरी का प्रयोग किया जाता है।

- फिटकरी को चोट या घाव लगने पर प्रयोग करें। फिटकरी का पानी लगाने से घाव से खून बहना बंद हो जाएगा। आपके इसका चूर्ण बना कर भी प्रयोग कर सकते हैं।
- एंटीबैक्टीरियल और एस्ट्रिजेंट तत्व होने की वजह से यह दंत रोग को दूर कर सकती है। यह माउथवॉश की तरह भी प्रयोग की जा सकती है।
- फिटकरी को नहाने के पानी में घोल कर प्रयोग करने से खुजली और शरीर से बदबू आना बंद होती है।
- चेहरे से झुर्रियों को मिटाने के लिए चेहरे को धो लें। फिर फिटकरी को ठंडे पानी से गीला कर के चेहरे के आस पास हल्के रगड़ें। अब इसे सूख जाने दें और फिर इसे हाथों से छुड़ा कर साफ कर लें। कुछ महीनों के प्रयोग के बाद आपका चेहरा चमकदार और यंग बन जाएगा।
- दमा और खांसी है तो, आधा ग्राम फिटकरी को पीस कर शहद के साथ मिक्स कर के चाट लें, आपको तुरंत लाभ होगा।
- यूरीन इंफेक्शन हो जाने पर भी फिटकरी का इस्तेमाल करना बहुत फायदेमंद होता है। प्रतिदिन फिटकरी के पानी से प्राइवेट पार्ट की सफाई करने से इंफेक्शन का खतरा दूर हो जाता है। इसके अलावा पानी में घुलनशील अशुद्धि को दूर करने के लिए भी फिटकरी का इस्तेमाल किया जाता है।

कटहल खाने से ठीक हो जाती है ये बीमारियां

फल और सब्जियों के हमारे शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। इनसे हमें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं। कटहल के भी बहुत सारे फायदे होते हैं। इसकी मसालेदार सब्जी किसी के मुंह में भी पानी भर देती है। कटहल का इस्तेमाल केवल सब्जी बनाने में ही नहीं बल्कि अचार, पकौड़े और कोफ्ता बनाने में भी किया जाता है।

कटहल में ढ़ेरों ऐसे तत्व होते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, थायमीन, पोटैशियम, कैल्शियम, आयरन और जिंक प्रचुर मात्रा में होता है। इन सबके अलावा इसमें भरपूर फाइबर होता है। अच्छी बात ये है कि इसमें कैलोरी नहीं होती है। ऐसे में ये हार्ट से जुड़ी कई बीमारियों में भी फायदेमंद है।

- कटहल में पाया जाने वाला पोटैशियम हार्ट से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षित रखता है। उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए ये बहुत ही फायदेमंद है।
- कटहल में आयरन की भरपूर मात्रा होती है जिसकी वजह से एनीमिया से बचाव होता है। इसके साथ ब्लड सर्कुलेशन भी नियंत्रित रहता है।
- अस्थमा के इलाज में भी ये एक कारगर औषधि की तरह काम करता है। कच्चे कटहल को पानी में उबालकर छान लें। जब ये पानी ठंडा हो जाए तो इसे पी लें। नियमित रूप से ऐसा करने से अस्थमा की समस्या में फायदा होता है।
- इसमें पाए जाने वाले कई खनिज हार्मोन्स को भी नियंत्रित करते हैं।
- कटहल में मैग्नीशियम भी भरपूर होता है, जिसकी वजह से हड्डियां भी स्वस्थ और मजबूत रहती हैं।
- कटहल में पाए जाने वाले विटामिन सी की वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी बनी रहती है।
- कटहल का सबसे बड़ा फायदा ये है कि इसमें भरपूर रेशे होते हैं जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाए रखते हैं।

एप के जरिए रख पाएंगे आदतों पर नजर

मधुमेह से लड़ने में मदद करेगा मोबाइल एप

शोधकर्ताओं ने ऐसी मोबाइल एप तैयार की है जो मधुमेह से लड़ने में मदद करेगी। इस एप के जरिए लोग अपने खाने-पीने की आदतों और कसरत आदि पर नजर रख पाएंगे। इस एप में मधुमेह से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि आधुनिक जीवनशैली के कारण मौजूदा समय में मधुमेह का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में यह एप इस बीमारी से बचाव में काफी मददगार साबित हो सकती है।

हाथों पर भी पड़ता है बीमारियों का असर

कहते हैं कि हथेली देखकर भविष्य जाना जा सकता है, पर हालिया शोध में पाया गया है कि हथेली से किसी की सेहत का हाल भी जाना जा सकता है, क्योंकि कई तरह की बीमारियों का असर हाथ पर भी पड़ता है। हथेली से 8 रोगों के लक्षणों के बारे में जाना जा सकता है। अगर हथेलियां गहरे लाल रंग की हो जाए तो उसे चिकित्सकीय भाषा में पाल्मर इर्थीमिया कहा जाता है। यह लिवर की बीमारी का एक संकेत है। इससे फैटी लिवर या जिगर की सिसोसिस जैसी बीमारियां हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं को इससे डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह रक्त प्रवाह की वजह से होता है। मधुमेह होने पर नसें और रक्त नलियां कमजोर हो जाती हैं। इससे आंतरिक रक्तस्राव और हैमरेज हो जाता है, जिससे हाथों पर लाल रंग के चकत्ते दिखने लगते हैं।

रक्त संक्रमण या दिल की बीमारी के संकेत

भूरी या नीले रंग की उंगलियां खराब रक्तप्रवाह की निशानी है। इस बीमारी के कारण उंगली सुन्न भी हो सकती है। अगर उंगलियां मोटी होकर गोल रूप ले लें और बाहर की ओर मुड़ जाएं तो इस हालत को फेफड़ों या दिल की बीमारियों का संकेत समझा जा सकता है। नाखूनों के नीचे की त्वचा लाल हो जाए तो इसे स्पिलिंटर हैमरेज कहते हैं।

दुनिया के खूबसूरत स्विमिंग पूल

पूल में नहाने के शौकीन हैं और अभी तक दुनिया के सबसे खूबसूरत स्विमिंग पूल के बारे में नहीं जानते। तो जानिए कौन से हैं वो पूल।

मरीना बे सिंगापुर

सैंड्स होटल, सिंगापुर की इमारत 57 मंजिला है। इतनी ऊंची इमारत में 500 फीट बड़ा ये स्विमिंग पूल अपने आप में एक आश्चर्य है। यहां से सिंगापुर का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है।

कतिकीज होटल

सैंटोरिनी, ग्रीस में मौजूद ठंडे पानी के इस पूल का आनंद वहीं जानता है जिसने इसे महसूस किया है। यहां सन बाथ और खुली हवा में स्पा भी लिया जा सकता है। इस पूल से दिखने वाला दृश्य जादुई है।

होटल करुसो

रैवेल्लो, इटली में अल्फामी तट की चोटी पर बने इस होटल में मौजूद स्विमिंग पूल गजब का सुंदर है। यह गर्म पानी का पूल है, जहां से इटली का नजारा देखते ही बनता है। इसमें तैराकी का एहसास ऐसा है कि आप आसामान और समुद्र के बीच में मौजूद हों।

कैम्बिरियन स्विटजरलैंड

ऐडलबोडेन, स्विटजरलैंड में बर्फीली पहाड़ियों के बीच मौजूद इस पूल में गर्म पानी है। तैराकी करते वक्त यहां से दिखने वाले नजारे की कोई तुलना नहीं की जा सकती। सर्दियां हो या गर्मियां यहां मौजूद पहाड़ियों पर हमेशा बर्फ की चादर लिपटी रहती है। एक बार इसका आनंद लेने के बाद आपको बाहर आने का मन नहीं करेगा।

यूबुड हैंगिंग गार्डन

बाली के बरसाती जंगल से घिरी चोटी पर बने इस पूल की कई खासियतें हैं। एक ये दो मंजिला है, दूसरा इसकी दीवारें ज्वालामुखी से निकली राख से बनी हैं। खूबसूरत नजारे और शांत माहौल के मामले में इस शानदार स्विमिंग पूल का जवाब नहीं।

रीठी राह, मालदीव

मालदीव में मौजूद ये खूबसूरत पूल वहां मौजूद 100 फीट गहरी झील में बना है। यहां के शांत पानी और माहौल में लोग आराम कर सकते हैं। यह अपने आप में करिश्मा है।

जेड माउंटेन

सेंट लूसिया में मौजूद हर 29 विलाओं में स्विमिंग पूल मौजूद हैं। यूनेस्को ने इसे हैरिटेज घोषित किया हुआ है। इन सभी स्विमिंग पूल को खास तरह की टाइल्स से बनाया गया है जो सभी को एक दूसरे से अलग बनती है।

रेसिपी

दही के चावल

सामग्री

चावल 1 कप, ताजा दही 2 कप मथ लीजिए, घी या तेल 1-2 टेबल स्पून, हरा धनिया 2-3 टेबल स्पून, हींग 1 चुटकी, जीरा आधा छोटी चम्मच, राई या काली सरसों, उरद की दाल आधा छोटी चम्मच, करी पत्ता 10-12, हरी मिर्च 2 बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार

विधि

चावल साफ करके पहले से आधा घंटा पानी में भिगो दीजिए, कुकर में भीगे हुए चावल डालिए और 2.5 कप पानी डाल दीजिए, कुकर को बन्द कर दीजिए और 1 सीटी आने तक चावल को पकने दीजिए, गैस बन्द कर दीजिए, कुकर का प्रेशर खत्म होने के बाद कुकर खोलिए, चावल को किसी बड़े प्याले में निकाल लीजिए, पैन में घी डालकर गरम कीजिए, घी में राई, जीरा और उरद की दाल डाल दीजिए और लगातार चलाते हुए, उरद की दाल को ब्राउन होने तक सिकने दीजिए, करी पत्ता, हरी मिर्च और हींग डालिए, चावल में डालने के लिए तड़का तैयार है, चावल हल्के ठंडे हो जाने पर चावल में दही, नमक और हरा धनिया डालकर मिक्स कर दीजिए, तैयार तड़का डालिए और चावल में अच्छी तरह मिक्स होने तक मिक्स कर दीजिए।

आम की आइसक्रीम

सामग्री

आम 2
दूध आधा लीटर
क्रीम 200 ग्राम
चीनी 100 ग्राम
कार्न फ्लोर 2 टेबल स्पून।

विधि

दूध को किसी भारी तले के बर्तन में डाल कर गरम करने रखिए, चौथाई कप दूध ठंडा ही प्याले में बचा लीजिए, दूध में उबाल आता है तब तक आम काट कर तैयार कर लीजिए, आम धोइए, छीलिए और सारा पल्प निकाल लीजिए, दो फांके अलग रख दीजिए, थोड़े छोटे छोटे टुकड़े काट कर अलग रख लीजिए, बची आम की फांके और चीनी को पीस कर प्यूरी बना लीजिए, ठंडे दूध में कार्न फ्लोर डालकर चिकना घोल बना लीजिए, दूध में उबाल आने के बाद, कार्न फ्लोर घुला दूध उबलते हुए दूध में मिलाइए और दूध को लगातार चलाते हुए 5-6 मिनट तक पकाइए, आइसक्रीम के लिए दूध तैयार है, गैस बन्द कर दीजिए, दूध को एकदम ठंडा कीजिए, आम की प्यूरी और क्रीम को मिला कर फेट लीजिए, कार्न फ्लोर मिक्स ठंडा दूध भी प्यूरी में डालिए और एक बार अच्छी तरह फेट लीजिए, आम के छोटे टुकड़े भी मिश्रण में मिक्स कर दीजिए, मिश्रण को किसी एयरटाइट कन्टेनर में डालिए, कन्टेनर का ढक्कन लगाकर 6-7 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दीजिए, ध्यान रखिए कि कन्टेनर एयरटाइट ही हो, आम की आइसक्रीम तैयार है, जब भी खानी हो, आइसक्रीम कन्टेनर को फ्रीजर से 5 मिनट पहले निकाल कर बाहर रख लीजिए।

संपादकीय

नहीं बदले तो मिटना तय

मिटना तय एक जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान सरकार अगले वर्ष यानि 2026-27 के बजट में 100 अरब पाकिस्तानी रुपए की वृद्धि करने पर विचार कर रही है जबकि वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थि सुधार कार्यंक्रम के तहत अपना बजट तैयार कर रहा है। इसका मतलब कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ बड़ी युद्ध की तैयारी में है। पाकिस्तान अकेले भारत ही नहीं अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के खिलाफ भी मोच खोल रखा है किन्तु जिस तरह भारत आपरेशन सिन्दूर-2 करने की बारबार चेतावनी पाकिस्तान को देता है, उससे उनकी फौज की मीडिया में आए दिन फजीहत होती है। दरअसल मिलिट्री बैलेंस पर नजर डालें तो पाकिस्तान भारत के सामने कहीं नहीं टिकता किन्तु जब कभी भी युद्ध होता है तो निश्चित रूप विकास का पहिया या तो पटरी से उतर जाती है या फिर उसकी गति धीमी हो जाता है। आपरेशन सिन्दूर में सैन्य नेतृत्व को जब अपना लक्ष्य हासिल हो गया तो वह आगे युद्ध करने की किसी तरह की योजना आगे नहीं बढ़ाना चाहता था किन्तु जब पाकिस्तान ने 7 मईं को जेहादी ठिकानों पर हुए हमले को अपने सैन्य ठिकानों पर हमला मानकर प्रतिकार किया तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया जिसके तहत उसके 9 एयरपोर्ट तबाह हो गए। पाकिस्तान की पहल पर 10 मईं को दोनों देशों ने युद्ध विराम करके य साबित कर दिया कि युद्ध कोईं भी नहीं चाहता था। भारत ने तो मात्र उन आतंकी ठिकानों पर हमले किए जो हमारी देश की सुरक्षा के लिए खतरे बने हुए थे और पहलगाम नरसंहार के बाद पूरा देश उन आतंकियों के खिलाफ आव्रोशित था। भारत ने पाकिस्तान के किसी भूभाग पर आधिपत जमाने के उद्देश्य से हमला नहीं किया था। भारत हमेशा पाकिस्तान को इस बात की चेतावनी देता रहता है कि वह यदि दोबारा कोईं आतंकी हमला करता है तो उसे भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और सेना प्रमुख ने तो कईं बार पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि उसकी परमाणु हमले की धौंस से कोईं नहीं डरता। यदि भारत पर कोईं आतंकी हमला हुआ तो उसे स्टेट ऐक्टर का एक्ट आफ वार मानकर प्रतिकार किय जाएगा। शनिवार को सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नईं दिल्ली स्थित मानेकाशा सेंटर में यूनिफार्म अनबील्ड द्वारा आयोजित एक संवाद सत्र सेना प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में दो टूक कहा कि ''यदि आपने मुझे पहले सुना है तो मैंने यही कहा है कि पाकिस्तान अगर आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है तो उसे त करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा रहना चाहता है या इतिहास का।'' इससे एक बात तो बड़ी स्पष्ट है कि भारत पाकिस्तान के प्रति बिल्वुल नरमी बरतने वाला नहीं है। भारत ने भी अपने डिपेंस सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसके तहत एस-400 हासिल किया तथा पाकिस्तान पर हमले के लिए ब्रrोस जैसी मिसाइलों की व्यवस्था कर रहा है। इसी तरह मित्र देशों से तमाम उपकरणों को सीमा एवं रक्ष ठिकानों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात कर दिया है जिनसे पाकिस्तान की हर गतिविधि पर गहरी एवं पैनी नजर रखी जा रही है। बहरहाल भारत की तरफ से पाकिस्तान को मिल रही इन्हीं चेतावनी के कारण वहां के सैनिक शासकों को लग रहा है कि यही सही वक्त कि रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी कर देनी चाहिए। पाकिस्तान की मुद्रास्फीति 10.9 प्रतिशत पहुंच गईं है। यानि महंगाईं खूंटा तोड़ कर भाग रही है बैलेंस आफ पेमेण्ट के लिए विदेशी मुद्रा के लिए ठन-ठन गोपाल हैं। दूसरे देश पैसे लेकर अपने रिजर्व बैंक में गारंटी के रूप में रखे हैं। सरकारी प्रतिष्ठान गिरवी हैं किन्तु पाकिस्तान की जेहादी आमी भारत के खिलाफ आतंकिय को अनुदान देकर अपनी चौथी यानि जेहादी विंग बनाए रखने की जिद पर अड़ा हुआ है। उसे जनता के दुःख दर्द से कोईं वास्ता नहीं वह तो चाहते कि भारत के साथ तनाव बढ़ेगा तो भीख में मिले पैसों से रक्षा बजट बढ़ाय जाएगा। रक्षा बजट बढ़ने से एक तरफ पाक जनता को सेना मूर्ख बना सकेगी अब वह भारत की तरफ से होने वाले हमलों को रोक पाएगा तथा उस रक्ष बजट के पैसों को सफाचट करने की जो प्रवृत्ति सेना ने पाल रखी है उसमें भी वह सफल होगा किन्तु सच तो यह है यदि सेना ने अपने जेहादी चरित्र को नहीं बदला तो वही होगा जो आज जनरल द्विवेदी ने कहा है।

आपरेशन सिन्दूर में सैन्य नेतृत्व को जब अपना लक्ष्य हासिल हो गया तो वह आगे युद्ध करने की किसी तरह की योजना आगे नहीं बढ़ाना चाहता था किन्तु जब पाकिस्तान ने 7 मईं को जेहादी ठिकानों पर हुए हमले को अपने सैन्य ठिकानों पर हमला मानकर प्रतिकार किया तब भारत ने उसे करारा जवाब दिया जिसके तहत उसके 9 एयरपोर्ट तबाह हो गए। पाकिस्तान की पहल पर 10 मईं को दोनों देशों ने युद्ध विराम करके र साबित कर दिया कि युद्ध कोईं भी नहीं चाहता था। भारत ने तो मात्र उन आतंकी ठिकानों पर हमले किए जो हमारी देश की सुरक्षा के लिए खतरे बने हुए थे और पहलगाम नरसंहार के बाद पूरा देश उन आतंकियों के खिलाफ आव्रोशित था। भारत ने पाकिस्तान के किसी भूभाग पर आधिपत जमाने के उद्देश्य से हमला नहीं किया था। भारत हमेशा पाकिस्तान को इस बात की चेतावनी देता रहता है कि वह यदि दोबारा कोईं आतंकी हमला करता है तो उसे भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और सेना प्रमुख ने तो कईं बार पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि उसकी परमाणु हमले की धौंस से कोईं नहीं डरता।

स्कूल की पढ़ाई के अतिरिक्त कोचिंग, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लास और असाइनमेंट ने बच्चों के दिन का अधिकांश समय घेर लिया है

अंकों की अंधी दौड़ और खोता बचपन

प्रियंका सौरभ

अंकों की इस दौड़ में, बचपन हुआ उदास।
कंधों पर उम्मीद का, भारी पड़ा लिबास॥”

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा से सम्मान और प्रगति का माध्यम माना गया है। शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की समझ, सामाजिक चेतना और बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करती है। किंतु समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलता गया और आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा का अर्थ केवल अधिक अंक लाना और प्रतियोगिता में आगे निकलना भर रह गया है। बच्चों का मूल्यांकन उनके व्यक्तित्व, व्यवहार, रचनात्मकता या संवेदनशीलता से नहीं, बल्कि उनकी मार्कशीट के प्रतिशत से किया जाने लगा है। परिणामस्वरूप बचपन दबाव, तनाव और अपेक्षाओं के बोझ तले कराह रहा है। आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा कक्षा में प्रथम आए, सर्वोच्च अंक प्राप्त करे और समाज में प्रतिष्ठित पद हासिल करे। यह इच्छा स्वाभाविक है, क्योंकि हर अभिभावक अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहता है। समस्या तब शुरू होती है जब यह इच्छा अपेक्षा बन जाती है और अपेक्षा धीरे-धीरे दबाव में बदल जाती है। बच्चे की रुचि क्या है, उसकी क्षमता क्या है, उसे किस क्षेत्र में आनंद मिलता है—इन प्रश्नों पर कम ध्यान दिया जाता है। मुख्य चिंता केवल अंक और रैंक की रह जाती है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने बच्चों के जीवन को अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक बना दिया है। स्कूल की पढ़ाई के अतिरिक्त कोचिंग, ट्यूशन, ऑनलाइन क्लास और असाइनमेंट ने बच्चों के दिन का अधिकांश समय घेर लिया है। पहले बच्चे शाम को मैदानों में खेलते थे, पेड़ों पर चढ़ते थे, दोस्तों के साथ हँसते-भागते थे, लेकिन आज उनका बचपन पुस्तकों और स्क्रीन के बीच कैद होकर रह गया है। खेल का मैदान अब मोबाइल की स्क्रीन में सिमट गया है और खुलकर हँसने की जगह परिणामों की चिंता ने ले ली है। हर वर्ष परीक्षा परिणाम आने के बाद समाज का व्यवहार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को और अधिक प्रभावित करता है। जिन बच्चों के अंक अधिक आते हैं, उन्हें समाज “होनहार” घोषित कर देता है, जबकि अपेक्षाकृत कम अंक पाने वाले बच्चे स्वयं को कमतर समझने लगते हैं। यह तुलना बच्चों के भीतर आत्महीनता पैदा करती है। कई बच्चे तनाव, अवसाद और भय से घिर जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कुछ बच्चे परीक्षा में असफलता के कारण आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की विफलता का संकेत है।

आज बच्चों पर सबसे अधिक प्रभाव “तुलना” का पड़ रहा है। “देखो, शर्मा जी का बेटा कितना पढ़ता है”, “उसके 98 प्रतिशत आए हैं, तुम्हारे क्यों नहीं?”—ऐसे वाक्य बच्चों के मन पर गहरी चोट करते हैं। तुलना कभी प्रेरणा नहीं बनती, बल्कि आत्मविश्वास को कमजोर करती है।

हर बच्चा अपनी क्षमता, सोच और प्रतिभा में अलग होता है। कोई संगीत में उत्कृष्ट हो सकता है, कोई खेल में, कोई चित्रकला में और कोई लेखन में। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक सोच केवल डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का पर्याय मानती है। यह भी एक बड़ा प्रश्न है कि क्या केवल अधिक अंक प्राप्त कर लेना जीवन की सफलता की गारंटी है? इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अनेक महान व्यक्तियों ने साधारण शैक्षिक उपलब्धियों के बावजूद असाधारण कार्य किए। सफलता केवल पुस्तकीय ज्ञान से नहीं आती, बल्कि साहस, धैर्य, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और मेहनत से आती है। यदि शिक्षा मनुष्य को अच्छा इंसान नहीं बना पा रही, तो वह अधूरी है।

आज के बच्चे तकनीकी रूप से बहुत तेज हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से अकेले होते जा रहे हैं। माता-पिता दोनों के कामकाजी होने, संयुक्त परिवारों के टूटने और मोबाइल संस्कृति के बढ़ने से बच्चों को संवाद और भावनात्मक सहयोग कम मिल रहा है। वे अपनी परेशानियाँ किसी से खुलकर कह नहीं पाते। ऐसे में परीक्षा और भविष्य का दबाव उन्हें भीतर से तोड़ देता है। शिक्षा का वातावरण आनंददायक होने के बजाय भय का वातावरण बनता जा रहा है। कोचिंग संस्थानों की बढ़ती संस्कृति ने भी इस समस्या को गंभीर बनाया है। बड़े-बड़े विज्ञापनों में टॉपर्स के चेहरे दिखाकर बच्चों और अभिभावकों के मन में यह धारणा बना दी जाती है कि सफलता केवल कठिन प्रतिस्पर्धा और लगातार पढ़ाई से ही मिलेगी। बच्चों को मशीन की तरह तैयार किया जा रहा है। उनकी रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। शिक्षा अब सीखने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंकों की फैक्ट्री बनती जा रही है।

सबसे दुखद स्थिति तब होती है जब बच्चे स्वयं को अपने माता-पिता के सपनों का बोझ समझने लगते हैं। वे डरते हैं कि यदि उनके अंक कम आए, तो वे परिवार को निराश कर देंगे। यह डर उन्हें मानसिक रूप से कमजोर बनाता है। कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों को यह महसूस करा देते हैं कि उनका प्यार भी अंकों पर निर्भर है। जबकि बच्चों को सबसे अधिक आवश्यकता बिना शर्त स्वीकार्यता और भावनात्मक सुरक्षा की होती है। हमें यह समझना होगा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए—मानवता, संवेदनशीलता, नैतिकता और आत्मविश्वास का विकास। यदि कोई बच्चा दूसरों की मदद करना सीखता है, अपने माता-पिता का सम्मान करता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है, तो वही सच्ची शिक्षा है।

बच्चों को अपनी रुचियों के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। यदि किसी बच्चे को संगीत पसंद है, तो उसे संगीत में आगे बढ़ने दिया जाए। यदि किसी को खेल, अभिनय, लेखन, कला या किसी अन्य क्षेत्र में रुचि है, तो उसका सम्मान किया जाए। हर प्रतिभा महत्वपूर्ण है। समाज को यह समझना होगा कि दुनिया केवल डॉक्टर और इंजीनियरों से नहीं चलती, बल्कि कलाकारों, शिक्षकों, किसानों, लेखकों, वैज्ञानिकों, संगीतकारों और खिलाड़ियों से भी समृद्ध होती है। अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी यहाँ सबसे अधिक है। बच्चों को डाँटने और डराने के बजाय उन्हें समझना और प्रेरित करना आवश्यक है। यदि बच्चा असफल होता है, तो उसे यह विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। कई बार जीवन की सबसे बड़ी सफलताएँ असफलताओं से ही जन्म लेती हैं।

विद्यालयों को भी परीक्षा-केंद्रित शिक्षा से बाहर निकलकर व्यक्तित्व विकास, रचनात्मक गतिविधियों और नैतिक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों को केवल रटने के बजाय सोचने और समझने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चों के भीतर जिज्ञासा और आनंद जगाए, न कि भय और तनाव। सरकार और समाज को भी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना होगा। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए। माता-पिता को भी समय-समय पर यह समझाने की आवश्यकता है कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालना कितना हानिकारक हो सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा और सफलता की परिभाषा बदलें। बच्चे को केवल अंक लाने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील और रचनात्मक इंसान के रूप में देखें। उसे यह महसूस कराएँ कि उसका मूल्य उसकी मार्कशीट से कहीं अधिक है। यदि हम सच में आने वाली पीढ़ी को खुश, स्वस्थ और आत्मविश्वासी बनाना चाहते हैं, तो हमें अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलना होगा। बच्चों को खेलने दीजिए, सपने देखने दीजिए, असफल होने दीजिए और फिर उठकर आगे बढ़ने दीजिए। क्योंकि जीवन केवल परीक्षा परिणामों का नाम नहीं, बल्कि अनुभवों, संघर्षों, संवेदनाओं और रिश्तों का सुंदर संगम है।

शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञान ही नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की समझ, सामाजिक चेतना और बेहतर भविष्य की दिशा भी प्रदान करती है। किंतु समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलता गया और आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा का अर्थ केवल अधिक अंक लाना और प्रतियोगिता में आगे निकलना भर रह गया है। बच्चों का मूल्यांकन उनके व्यक्तित्व, व्यवहार, रचनात्मकता या संवेदनशीलता से नहीं, बल्कि उनकी मार्कशीट के प्रतिशत से किया जाने लगा है। परिणामस्वरूप बचपन दबाव, तनाव और अपेक्षाओं के बोझ तले कराह रहा है। आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा कक्षा में प्रथम आए, सर्वोच्च अंक प्राप्त करे और समाज में प्रतिष्ठित पद हासिल करे। यह इच्छा स्वाभाविक है, क्योंकि हर अभिभावक अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहता है। समस्या तब शुरू होती है जब यह इच्छा अपेक्षा बन जाती है और अपेक्षा धीरे-धीरे दबाव में बदल जाती है।

अमृत कलश

विश्वास

शास्त्र से पढ़ लेते हैं आत्मा की बातें सुन लेते हैं परंपराओं से परमात्मा के विचार। और उन्हें सीख लेते हैं और इस भांति उनकी बातें करने लगते हैं जैसे हम जानते हों। जैसे हम जानते हों ऐसे उधार ज्ञान को हम एहसास करने लगते हैं कि हमारा अपना है। यह अंतिम धोखा है जो कोई आदमी अपने को देता है। पंडित इसी भांति अपने को धोखा दे लेता है। जो उसने नहीं जाना है जो उसने केवल सुना है और सीखा है जो उसने पढ़ा है और स्मरण कर लिया है उसे भी वह ज्ञान मान लेता है। हम सारे लोग यहां बैठे हैं। हममें से कोई ईश्वर को मानता होगा कोई आत्मा को मानता होगा कोई मोक्ष को मानता होगा; और हममें से कोई भी नहीं जानता इन बातों की सच्चाई लेकिन निरंतर इन बातों को दोहराते रहने से ऐसा भ्रम पैदा हो जाता है जैसे कि हम जानते हैं। और जब हम दूसरों को ये बातें समझाने लगते हैं और उनको ऐसा एहसास होता है उनकी आंखों में हमें ऐसा दिखाई पड़ता है कि उनकी बातें समझ में आ रही हैं। तो उनकी आंखों में ये झलक देख कर हमको खुद यह विश्वास आ जाता है कि हम जो बातें कह रहे हैं वे जरूर सच होंगी और हमने जानी होंगी। आज ही दोपहर में एक घटना कह रहा था। अमेरिका में एक आदमी ने सबसे पहले बैंक डाला। बाद में कोई चालीस वर्षो बाद जब वह बूढ़ा हो गया और उसकी कोई जयंती मनाई जा रही थी तो उसके एक मित्र ने उससे पूछा कि तुमने सबसे पहले बैंक किस तरह शुरू किया? उसने कहाः मैंने एक तख्ती बनवाई जिस पर मैंने लिख दिया ‘बैंक’ और उसे घर के सामने टांग दिया और मैं एक पेटी और किताबें लेकर बैठ गया।

देश दुनिया से

परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही तय हो

हाल ही में नीट परीक्षा के पेपर लीक की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया है। वर्षों से नीट, जेईई, यूपीएससी, एसएससी और विभिन्न राज्य स्तरीय भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाले पेपर लीक युवाओं के भविष्य के साथ निरंतर खिलवाड़ बन गए हैं। छात्र-छात्राएं रात-दिन की मेहनत, परिवार का आर्थिक बलिदान और कोचिंग संस्थानों पर खर्च के बावजूद एक संगठित गिरोह की वजह से अपनी मेहनत को व्यर्थ होते देखते हैं। पिछले पांच वर्षों में 15 राज्यों में 41 प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं, जिनसे करीब 1.4 करोड़ युवा प्रभावित हुए। सात वर्षों की अवधि में यह संख्या 70 से अधिक पहुंच गई है और लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रतिभा और मेरिट को कमजोर करने वाली है। जब चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रशासनिक सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अयोग्य उम्मीदवारों का चयन होता है, तो समाज और देश दोनों को दीर्घकालिक क्षति पहुंचती है। युवा पीढ़ी में निराशा बढ़ती है, कई बार आत्महत्या जैसे कदम भी उठाए जाते हैं। कोचिंग माफिया, भ्रष्ट अधिकारी, प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी और डिजिटल नेटवर्क मिलकर एक शक्तिशाली गिरोह का रूप ले चुके हैं। गरीब छात्र बिना संसाधनों के तैयारी करते हैं, जबकि साधन रखने वाले लीक पेपर खरीदकर सफलता हासिल कर लेते हैं। इससे सामाजिक असमानता बढ़ती है और मेरिट की जगह सिफारिश और पैसा हावी हो जाता है। परिणामस्वरूप सही प्रतिभा को अवसर नहीं मिल पाता। इस समस्या को समाप्त करने के लिए सशक्त और देश में एकसमान कानून की तत्काल जरूरत है। वर्तमान में लागू पब्लिक एग्जामिनेशंस एक्ट में तीन से दस वर्ष की जेल और जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। नए कानून में परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति—प्रश्न सेटर, प्रिंटर, परिवहनकर्ता और केंद्र अधीक्षक—की कड़ी सुरक्षा जांच, डिजिटल ट्रैकिंग और जवाबदेही तय होनी चाहिए। पेपर तैयार करने से लेकर वितरण

तक ब्लॉकचेन या एआई आधारित एनक्रिप्शन प्रणाली अपनाई जाए। लीक कराने, खरीदने या मध्यस्थता करने वालों के लिए न्यूनतम दस वर्ष की जेल, संपत्ति जब्ती और आजीवन परीक्षा प्रतिबंध जैसी कठोर सजाएं हों। सीबीआई या विशेष एजेंसी को स्वतः संज्ञान लेने का अधिकार मिले और फास्ट-ट्रैक अदालतों में मुकदमों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए। साथ ही व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सख्त निगरानी और त्वरित कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। विकसित देशों में पेपर लीक जैसी घटनाएं अत्यंत दुर्लभ हैं क्योंकि उनकी परीक्षा प्रणाली पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और जवाबदेह है। अमेरिका में एसएटी, एसीटी और एमसीएटी जैसी परीक्षाएं स्वतंत्र संस्थाओं द्वारा आयोजित की जाती हैं। ये ज्यादातर कंप्यूटर आधारित होती हैं, जिसमें प्रश्न रैंडमाइज्ड होते हैं। चीटिंग को गंभीर नैतिक उल्लंघन माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय से निष्कासन या डिग्री रद्द हो सकती है। बड़े पैमाने के फ्रॉड में आपराधिक मुकदमा चलता है। यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन में भी स्थिति बेहतर है। फ्रांस में बैकलॉरिएट परीक्षा में चीटिंग पर तीन वर्ष तक की जेल हो सकती है। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड जैसी परीक्षाओं में लीक की घटनाएं लगभग नहीं होतीं। जापान, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया में परीक्षा संस्कृति इतनी मजबूत है कि लीक की संभावना ही नहीं रहती। चीन में गाओकाओ परीक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय मानकर चीटिंग पर सात वर्ष तक जेल और अन्य परीक्षाओं पर प्रतिबंध लगाया जाता है। इन देशों में परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, मेटल डिटेक्टर और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग मानक हैं। मुख्य अंतर सिस्टम की मजबूती, भ्रष्टाचार नियंत्रण, तकनीकी उपयोग और सामाजिक मूल्यों में है, जहां मेरिट और कौशल को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। भारत में सुधार के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। पूरी परीक्षा प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाए, जिसमें प्रश्न बैंक से रैंडम प्रश्न चुने जाएं और हर छात्र को अलग सेट मिले। एनटीए जैसी संस्थाओं को स्वायत्त लेकिन सख्त जवाबदेही के दायरे में लाया जाए तथा स्वतंत्र बोर्ड द्वारा नियमित ऑडिट किया जाए। बड़े कोचिंग संस्थानों पर वित्तीय निगरानी और छापेमारी बढ़ाई जाए। स्कूल स्तर से नैतिक शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाएं। भारत एक युवा राष्ट्र है। यदि इन युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास टूट गया तो देश की विकास क्षमता प्रभावित होगी। निष्पक्ष परीक्षाएं ही प्रतिभा को सही दिशा दे सकती हैं और कौशल-आधारित समाज का निर्माण कर सकती हैं। सरकार को राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। विपक्ष, मीडिया, शिक्षाविद् और समाज सभी को मिलकर इस लड़ाई में योगदान देना होगा। यदि हम अभी सशक्त कानून नहीं बनाते, तकनीकी सुरक्षा नहीं अपनाते और सख्त कार्रवाई नहीं करते, तो भारत के बच्चों के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ जारी रहेगा। एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली अनिवार्य है। तभी आने वाली पीढ़ियां सपनों को मेहनत से हासिल करने का विश्वास रख सकेंगी और राष्ट्र प्रगति की राह पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

आप का नज़रिया

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है। निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है। निस्संदेह मानवता के खिलाफ होने वाले इस आपराधिक कृत्य में चिकित्सा तंत्र से जुड़े लोगों की भूमिका भी होगी। घटिया दवाओं का मिलना इस बात की ओर संकेत करता है कि व्यवस्था में शामिल काली भेड़ें इस अपवित्र कारोबार को प्रश्रय दे रही हैं।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है।

दृष्टि कोण

सौर शक्ति प्रदान करेगी हमें आर्थिक संप्रभुता

जब पश्चिम एशिया के आसमान में मिसाइलें उड़ती हैं, तो उसका असर हर घर के बिजली और पेट्रोल बिल पर पड़ता है। हालिया संकट ने भारत की इस कमजोरी को उजागर किया है। भारत कच्चे तेल का दुनिया भर में तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है; यह अपनी ज़रूरत का लगभग 89 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यानी मोटे तौर पर हर साल 1.75 अरब बैरल, या हर दिन लगभग 4.8 मिलियन बैरल। इसका 60 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील ‘स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़’ से होकर आता है। 2024-25 में, भारत का कच्चे तेल का आयात खर्च 137 अरब डॉलर रहा। यदि कीमतें मार्च माह की औसत दर 113.57 डॉलर पर बनी रहती हैं तो यह आयात मद बढ़कर लगभग 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। कच्चे तेल के एक बैरल की कीमत में दस डॉलर की बढ़ोतरी से हमारे आयात बिल में 14 से 16 अरब डॉलर की वृद्धि होती है। यह वह पैसा है जो कीमती विदेशी मुद्रा भंडार से खर्च किया जाता है। यह संशोधित किया गया तेल सामान ढोने वाले ट्रकों, खेतों में काम करने वाले ट्रैक्टरों में और उन मछली पकड़ने वाली नावों में भी इस्तेमाल होता है। यह उन डीज़ल जनरेटरों में इस्तेमाल होता है जो पूरे ग्रामीण भारत में दूरसंचार टॉवरों को चालू रखे हुए हैं। इस कमज़ोरी को कम करने का एक तरीका है सौर ऊर्जा। भारत की भौगोलिक स्थिति एक वरदान है, फलतः यहां साल के 300 से ज़्यादा दिन तेज़ धूप खिली रहती है। हालांकि, गर्मियों में प्रचंड ताप भरे कुछ दिन अभिशाप भी बन जाते हैं। हमने अभी-अभी अप्रैल माह का एक बेहद गर्म हफ़्ता गुजारा है। इस दौरान, धरती के बीस सबसे गर्म स्थानों में से उन्नीस भारत में थे। लेकिन यह ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक अवसर भी प्रदान करता है। भारत ‘इंटरनेशनल सोलर अलायंस’ का नेतृत्व करता है, जो 120 से ज़्यादा देशों का एक समूह है। वर्ष 2025 में, भारत ने 38 गीगावाट नई सौर क्षमता जोड़ी है, और इस मामले में 35 गीगा वाट वाले अमेरिका को पीछे छोड़ दिया। अब भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता 150 गीगावाट से ज़्यादा हो

गई है, और सालाना सौर ऊर्जा उत्पादन 2013-14 के 3.4 टेरावाट-घंटे से बढ़कर 2024-25 में 144 टेरावाट-घंटे तक पहुंच गया है। अप्रैल की भीषण गर्मी ने जब पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा दिया तो बिजली ग्रिड को अब तक की सबसे ज़्यादा मांग का सामना करना पड़ा यानी 256 गीगावाट। उस अहम दिन, अकेले सौर ऊर्जा से ही 81 गीगावाट बिजली बन रही थी। यह देश में कुल बिजली उत्पादन का एक-तिहाई हिस्सा था। ग्रिड फेल नहीं हुई। सौर ऊर्जा हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने में भी मददगार है। तेल आयात पर हमारी निर्भरता में अगर सिर्फ़ 10 प्रतिशत की भी कमी आ जाए, तो तेल की कीमतों के आधार पर हर साल 13 से 20 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है। अगर सौर ऊर्जा से चलने वाली बिजली, डीज़ल जेनरेटरों की जगह ले लें; डीज़ल पंपों की जगह इलेक्ट्रिक पंपों का उपयोग होने लगे; और इलेक्ट्रिक वाहन, पेट्रोल और डीज़ल की मांग को कम कर दें तो इस तरह से हुई 10 करोड़ बैरल तेल की बचत से, विदेशी मुद्रा के रूप में हर साल 7.5 से 11 अरब डॉलर तक की बचत हो सकती है। दिलचस्प संभावना यह भी है कि भारत एक ऊर्जा निर्यातक देश बन सकता है। भारतीय तेल शोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है, जो पहले से ही इसकी घरेलू खपत (239 मिलियन मीट्रिक टन) से कहीं ज़्यादा है। साल 2025 में, भारत ने 64.7 मिलियन मीट्रिक टन शोधित पेट्रोलियम उत्पाद जैसे कि पेट्रोल, डीज़ल और एविएशन फ़्यूल का निर्यात किया, जिनकी कुल कीमत 52 अरब डॉलर से भी ज़्यादा थी; यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

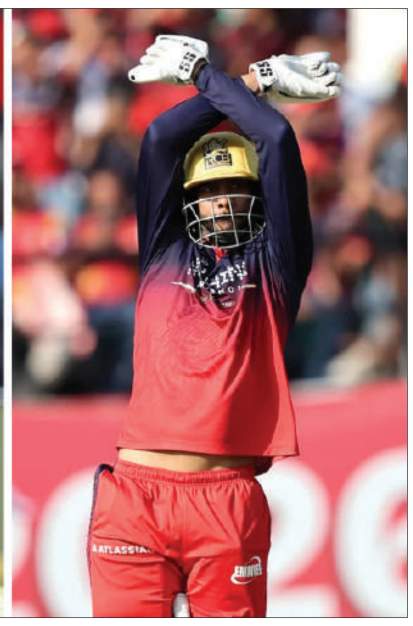

आरसीबी ने सबसे पहले कटाया प्लेऑफ का टिकट पंजाब की लगातार छठी हार, अब टॉप 4 में रहना मुश्किल

धर्मशाला: आईपीएल 2026 के हाईवोल्टेज मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने पंजाब किंग्स को 23 रन से हरा दिया।

इस जीत के साथ आरसीबी की टीम इस सीजन सबसे पहले प्लेऑफ में पहुंचने वाली टीम बन चुकी है। वहीं पंजाब किंग्स के लिए टॉप 4 में बने रहना भी मुश्किल नजर आ रहा है। इस मैच में आरसीबी की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए बोर्ड पर 4 विकेट खोकर 222 रन लगाए। जवाब में पंजाब की टीम आखिरी ओवर तक 199 रन तक पहुंच पाई।

पंजाब ने गंवाया छठा मुकाबला

इस मैच में पंजाब की टीम की शुरुआत ही खराब रही। ओपनर प्रियांश आर्य बिना खाता खोले आउट हो गए, वहीं प्रभसिमरन सिंह 2 रन बनाकर चलते बने। इन दोनों को भुवनेश्वर कुमार ने आउट किया। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी 1 रन बनाकर इस मुकाबले में चलते बने। हालांकि कूपर कोनोली ने 37 और सूर्यांश शेडगे ने 35 रन बनाकर थोड़ा सा दम जरूर दिखाया, लेकिन ये टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था। अंत में शशांक सिंह ने भी 56 और मार्कस स्टोइनिस ने 37 रन की पारी खेली। आरसीबी के लिए रासिख सलाम दार ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

आरसीबी ने बनाए 222 रन

आरसीबी ने 61वें मैच में पंजाब किंग्स को जीत के लिए 223 रन का विशाल टारगेट दिया है। इस पारी में विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर ने शानदार अर्धशतक लगाए। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। इसके जवाब में आरसीबी ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 222 रन बनाए।

कोहली की एक और शानदार पारी

जैकब बेथेल और विराट कोहली की जोड़ी ने ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर 14 गेंदों में 21 रन जुटाए। बेथेल 7 गेंदों में 2 चौकों के साथ 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से कोहली ने देवदत्त पड्डिकल के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 76 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 97 के स्कोर तक पहुंचाया। पड्डिकल 25 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

न्यूज ब्रीफ

एलिना स्वितोलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब, फाइनल में कोको गाफ को हराया

रोम। सातवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विमेंस सिंगल्स फाइनल मुकाबले में कोको गाफ को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराकर इटैलियन ओपन के खिताब को अपने नाम किया। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गाफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पाइंट आठवें गेम में आया, जब गाफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फाल्ट किया, जिससे स्वितोलिना को ब्रेक बैक करने का मौका मिला। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना ने फिर नौवें गेम में तीन ब्रेक पाइंट बचाकर सर्व बनाई रखी और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट में स्वितोलिना और गाफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गाफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक लिया, लेकिन जब वह सेट जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब स्वितोलिना ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया और मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया। टाईब्रेक में गाफ ने शानदार खेल दिखाया और सेट को 7-3 से अपने नाम करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। स्वितोलिना ने पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक करके निर्णायक सेट में कंट्रोल वापस पा लिया। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते हुए, उन्होंने बैकहैंड वाली लगाकर अपनी जीत पक्की करने से पहले तीन ब्रेक पाइंट बचाए।

आईपीएल में चिट सेलिब्रेशन का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस चिट सेलिब्रेशन के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड प्रमुख के भारत आने की चर्चा, अहमदाबाद में बड़ी बैठक का न्योता

अहमदाबाद। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस महीने भारत दौरे पर आ सकते हैं। जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने उन्हें 30 और 31 मई को अहमदाबाद में होने वाली बोर्ड बैठक में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। खास बात यह है कि 31 मई को अहमदाबाद में ही इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का फाइनल मुकाबला भी प्रस्तावित है। ऐसे में अगर मोहसिन नकवी भारत आते हैं, तो उनके इस बड़े मुकाबले में शामिल होने की भी संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, नकवी ने इस निमंत्रण को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेज दिया है। अंतिम निर्णय अब पाकिस्तान सरकार की मंजूरी के बाद लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की यह बैठक पहले मार्च और अप्रैल में आयोजित होनी थी, लेकिन क्षेत्रीय तनाव और सुरक्षा कारणों के चलते कार्यक्रम को आगे बढ़ा दिया गया था। अब क्रिकेट जगत की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड प्रमुख भारत आकर इस अहम बैठक और संभवतः फाइनल मुकाबले का हिस्सा बनेंगे।

हाईवोल्टेज मैच में दिल्ली की जीत, राजस्थान ने गंवाया टॉप-4 में पहुंचने का मौका, बिगड़ गए समीकरण

नई दिल्ली: आईपीएल 2026 के हाईवोल्टेज मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स की टीम को 5 विकेट से मात दे दी है। इस मैच में हार के साथ ही राजस्थान की टीम ने आसानी से टॉप 4 में पहुंचने का एक और मौका गंवा दिया है। इस मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए राजस्थान ने बोर्ड पर 8 विकेट खोकर 193 रन लगाए थे। जवाब में आखिरी ओवर में इस टारगेट को दिल्ली ने चेज कर लिया।

दिल्ली ने छीनी राजस्थान से जीत

दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी ओवर में राजस्थान को मात दे दी। इस मैच में चेज करने आई दिल्ली की टीम को केएल राहुल और अभिषेक पोरेल ने शानदार शुरुआत दी। पोरेल ने 31 गेंद पर 51 रन की पारी खेली। वहीं 56 रन राहुल ने भी बनाए। कप्तान अक्षर पटेल ने भी 34 रन की पारी खेली। वहीं आशुतोष शर्मा ने नाबाद 18 रन बनाकर मैच को खत्म किया।

राजस्थान ने दिया था 194 रन का टारगेट

राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 194 रन का टारगेट दिया। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित ओ-वरों में 8 विकेट खोकर 193 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 11 गेंदों में महज 19 रन की साझेदारी की। जायसवाल 12 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने सूर्यवंशी के साथ 34 गेंदों में 70 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया।

वैभव सूर्यवंशी की तेज शुरुआत

वैभव सूर्यवंशी 21 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 46 रन बनाकर आउट हुए। यहां से जुरेल ने रियान पराग के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 72 रन जुटाकर टीम को 161 के स्कोर तक पहुंचाया। 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर मिचेल स्टार्क ने कप्तान रियान पराग को अक्षर पटेल के हाथों कैच आउट कराया, जो 26 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन बनाकर आउट हुए। अगली गेंद पर डोन-ोवन फरेरा को अक्षर के हाथों कैच आउट कराया।

ओवर की चौथी गेंद पर डेब्यूटेंट रवि सिंह ने चौका लगाया, लेकिन अगली गेंद पर पगबाधा आउट हो गए।

15वें ओवर में तीन विकेट गंवाने के बाद आरआर की रफ्तार थम गई थी। हालांकि, ध्रुव जुरेल ने मोर्चा संभाले रखा। ध्रुव ने 40 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 53 रन की पारी खेली।

दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी नगिडी और माधव तिवारी ने 2-2 विकेट निकाले।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा - माइकल हसी

बल्लेबाजी कोच बोले- अभी उम्मीद बाकी है

लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेआफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे।

उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए।

पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की।

इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेआफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए।

माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेआफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे।

पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा कि केवल दो टीमें ही अब तक प्लेआफ की दौड़ से बाहर हुई हैं, जबकि बाकी सभी टीमों के पास अभी भी उम्मीद कायम है। चेन्नई सुपर किंग्स को अपने आखिरी दो लीग मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस का सामना करना है। इन दोनों मैचों में जीत ही टीम की प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रख सकती है।

अल-नस्र की हार से टूटा रोनाल्डो का सपना

रियाद। सऊदी क्लब अल-नस्र और फुटबाल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए शनिवार की रात बेहद निराशाजनक साबित हुई। एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में जापान के गाम्बा ओसाका ने अल-नस्र को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद रोनाल्डो ने रनर-अप मेडल लेने से भी इनकार कर दिया, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है। डेनिज हम्मत का गोल बना फर्क मुकाबले में अल-नस्र ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा और लगातार अटैक किए, लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही। वहीं गाम्बा ओसाका ने मिले मौके का शानदार फायदा उठाया। मैच के 30वें मिनट में तुर्की फारवर्ड डेनीज हमात ने बाक्स के अंदर से शानदार लो शाट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद लंबा वीएआर चेक हुआ, लेकिन आखिरकार गोल को मान्यता दे दी गई। हम्मत ने मैच के बाद कहा, मैं खुश हूं कि मैंने गोल किया और टीम की मदद कर सका। दूसरे हाफ में मैं काफी नर्वस था, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि हमने जीत हासिल की। मुझे अपने साथियों पर गर्व है।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पाडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर नहीं था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे।

उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा। भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में दादा युग की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने विदेशों में जीत दर्ज करना सीखा और 2003 विश्व कप फाइनल तक का सफर तय किया। क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि गांगुली ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है।

दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्राफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

अब एक पाडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्राफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है।

राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

गूगल ला रहा अब एआई आधारित सुरक्षा तकनीक

नई दिल्ली

अपने बड़े इवेंट एंड्राएड शो 2026 में दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने एंड्रायड यूजर्स के लिए कई नए सुरक्षा फीचर्स पेश किए हैं। गूगल कंपनी का कहना है कि आने वाले एंड्राएड 17 अपडेट के जरिए स्मार्टफोन पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित बनाए जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में आनलाइन फ्राड और डिजिटल स्कैम तेजी से बढ़े हैं।

फर्जी बैंक काल, ओटीपी फ्राड, स्क्रीन शेयरिंग स्कैम और नकली ऐप्स के जरिए साइबर अपराधी लोगों को निशाना बना रहे हैं। कई मामलों में ठग बैंक अधिकारी बनकर लोगों से यूपीआई पिन, ओटीपी और बैंकिंग जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसी खतरे को कम करने के लिए गूगल अब एआई आधारित सुरक्षा तकनीक ला रहा है जो संदिग्ध काल्स और खतरनाक ऐप्स की पहचान कर सकेगी। कंपनी ने वेरीफाइड फाइनेंशियल काल्स नाम का नया फीचर पेश किया है। इसके तहत यदि किसी बैंक के नाम से काल आती है, तो फोन बैकग्राउंड में संबंधित बैंकिंग ऐप के जरिए जांच करेगा कि काल वास्तव में बैंक की ओर से की गई है या नहीं।

यदि सिस्टम को काल संदिग्ध लगेगी, तो एंड्रायड यूजर को चेतावनी दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर काल अपने आप ब्लाक भी की जा सकती है। इसका मकसद कालर आईडी स्पूफिंग और फर्जी बैंक काल्स पर रोक लगाना है।

एंड्राएड 17 में एक और खास सुविधा यह होगी कि बैंक कुछ नंबरों को इनबाउंड-ओनली के रूप में मार्क कर सकेंगे। ऐसे नंबरों से केवल काल रिसीव की जा सकेगी, लेकिन आउटगोइंग काल संभव नहीं होगी। यदि कोई स्कैमर ऐसे नंबर से काल करने की कोशिश करेगा, तो सिस्टम उसे तुरंत संदिग्ध मानकर फ्लैग कर देगा। कंपनी ने लाइव थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम को भी ज्यादा मजबूत बनाया है। यह फीचर फोन में इंस्टाल ऐप्स की गतिविधियों पर नजर रखेगा।

यदि कोई ऐप बिना अनुमति के सेटिंग बदलने, बैकग्राउंड में सक्रिय होने या खुद को छिपाने की कोशिश करेगा, तो यूजर को तुरंत अलर्ट मिलेगा। इससे फर्जी एपीके ऐप्स और मैलवेयर से सुरक्षा बेहतर होने की उम्मीद है। इसके अलावा एआई अब चैट और एसएमएस स्कैम पर भी नजर रखेगा। सिस्टम ऐसे मैसेज पहचानने की कोशिश करेगा जिनमें फर्जी लिंक, ओटीपी फ्राड या धोखाधड़ी से जुड़ी गतिविधियां हो सकती हैं। संदिग्ध मैसेज मिलने पर यूजर को चेतावनी दी जाएगी। फोन चोरी की घटनाओं को देखते हुए गूगल ने नए एंटी-थेफ्ट फीचर्स भी जोड़े हैं। मार्क ऐज लास्ट फीचर के जरिए यूजर चोरी हुए फोन को बायोमेट्रिक लाक से सुरक्षित कर सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में रेनो डस्टर लगातार बना रही मजबूत पकड़

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में रेनो की नई जनरेशन डस्टर अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है। अप्रैल 2026 में, इस लोकप्रिय एसयूवी ने कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब अपने नाम कर लिया है और इसने लंबे समय से शीर्ष पर काबिज रही ट्राइबर को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में डस्टर की कुल 2359 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जो मार्च में बेची गई 1402 यूनिट्स की तुलना में 68 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि रेनो डस्टर के प्रति ग्राहकों के बढ़ते रुझान और विश्वास को उजागर करती है। वहीं, दूसरी ओर, रेनो ट्राइबर की बिक्री में इसी अवधि में गिरावट देखने को मिली है, जो डस्टर के बढ़ते प्रभुत्व को और स्पष्ट करता है। नई डस्टर तीन आकर्षक इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है, जिनमें टर्बो पेट्रोल और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन शामिल हैं। विशेष रूप से, हाइब्रिड माडल अपनी बेहतर ईंधन दक्षता और कम परिचालन खर्च के कारण उपभोक्ताओं के बीच खास चर्चा का विषय बना हुआ है। कार में 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एक विशाल पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग और ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर भी डस्टर बेहद मजबूत है, इसमें 35 एडवांस सेफ्टी फीचर्स और आधुनिक ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) तकनीक शामिल की गई है।

किआ सिरोस ईवी को अगस्त में लान्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। अपनी नई और किफायती इलेक्ट्रिक एसयूवी, किआ सिरोस ईवी को किआ मोटर्स पेश करने की तैयारी में है। किआ सिरोस ईवी को इसी साल अगस्त महीने में लान्च किया जा सकता है। यह नई एसयूवी सीधे तौर पर बाजार में मौजूद टाटा नेक्सन ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी जैसे स्थापित खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देगी। जानकारी के मुताबिक, सिरोस ईवी का डिज़ाइन काफी हद तक इसके पेट्रोल माडल जैसा ही रखा जाएगा, जिसमें एक बाक्सी स्टाइल, ऊंचा स्टांस और नए डिज़ाइन के अलाय व्हील देखने को मिल सकते हैं। हाल ही में टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि इसमें चार्जिंग पोर्ट फ्रंट फेंडर पर स्थित होगा, जो इसे एक विशिष्ट पहचान देगा। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ईवी-विशिष्ट डिस्प्ले जो बैटरी और रेंज की जानकारी देगा, और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलने की पूरी संभावना है। वी2एल तकनीक उपयोगकर्ताओं को अपनी गाड़ी की बैटरी से बाहरी उपकरणों को बिजली देने की सुविधा देती है। बताया जा रहा है कि यह इलेक्ट्रिक एसयूवी किआ के केआई1 प्लेटफार्म पर आधारित होगी, जो इसकी मजबूती और दक्षता सुनिश्चित करेगा। ग्राहकों को इसमें दो बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं: 42केडब्ल्यूएच और 49केडब्ल्यूएच। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत 15 लाख से 20 लाख रुपए के बीच हो सकती है, जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाएगी।

फिर सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनीं टाटा पंच

नई दिल्ली। अप्रैल 2024 में टाटा पंच ने एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस काम्पैक्ट एसयूवी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी और कंपनी की एक और लोकप्रिय एसयूवी, टाटा नेक्सन को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। टाटा मोटर्स की हालिया बिक्री रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल महीने में टाटा पंच की कुल 19,107 यूनिट्स की बिक्री हुई, जबकि टाटा नेक्सन की 18,126 यूनिट्स बिकीं। यह प्रदर्शन टाटा मोटर्स की कुल बिक्री में सालाना आधार पर प्रभावशाली 31 प्रतिशत की वृद्धि में भी सहायक रहा है। टाटा पंच की इस लगातार सफलता के पीछे उसकी मजबूत सुरक्षा, आकर्षक डिज़ाइन और आधुनिक फीचर्स का अहम योगदान है, जिसने ग्राहकों को खूब लुभाया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 5.65 लाख रुपए रखी गई है, जो इसे भारतीय ग्राहकों के लिए एक किफायती और वैल्यू-फार-मनी विकल्प बनाती है। नई पंच में 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएँ शामिल की गई हैं, जो पार्किंग और तंग जगहों पर गाड़ी चलाने को आसान बनाती हैं। इसके अलावा, इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चार्जिंग और यात्रियों की सुरक्षा के लिए 6 एयरबैग जैसे उन्नत फीचर्स भी दिए गए हैं। सुरक्षा के मामले में भी पंच को बेहद मजबूत माना जाता है। इसे ग्लोबल एनकैप क्रैश टेस्ट में शानदार 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिल चुकी है, जो भारतीय सड़कों पर इसकी विश्वसनीयता को दर्शाती है।

पेट्रोल-डीजल फिर 10 रुपए तक महंगा होने की आशंका

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का परिणाम

नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में एक बार फिर बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान के चलते आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 10-10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। हाल ही में सरकार द्वारा की गई 3-3 रुपये की बढ़ोतरी भी घाटे की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुई है, जिससे आम जनता पर महंगाई का एक और बड़ा बोझ पड़ने की आशंका है। यह स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि का सीधा परिणाम है।

इसी साल फरवरी के महीने में इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड आयल का रेट 70 डालर प्रति बैरल था, जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही लगातार 100 डालर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। इस ऊंची कीमत के कारण तेल कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कीमतों में हालिया वृद्धि से पहले, इन कंपनियों को रोजाना लगभग 1000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा था। अगर यही स्थिति बनी रही, तो चालू तिमाही में आयल मार्केटिंग कंपनियों को 57000 करोड़ रुपये तक का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। हालांकि, तेल कंपनियों का घाटा इतना बड़ा है कि यह कदम भी नाकाफी साबित हुआ है। यही वजह है कि अब बड़े इजाफे की आशंका गहरा गई है। यह भी गौरतलब है कि सरकारी कंपनियों से बहुत पहले ही शेल इंडिया और नायरा एनर्जी जैसी निजी कंपनियों ने अपने ग्राहकों के लिए पिछले महीने ही पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए थे। ऐसे में आने वाले दिनों में ईंधन की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी आम जनता की जेब पर और भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुओं और परिवहन लागत में भी इजाफा हो सकता है।

ओपनएआई ने चैटजीपीटी मोबाइल ऐप में कोडेक्स फीचर लांच किया

मुंबई। ओपनएआई ने आईओएस और एंड्रायड उपयोगकर्ताओं के लिए अपने चैटजीपीटी मोबाइल एप में कोडेक्स नामक एक नया एआई कोडिंग सहायक इंटीग्रेट किया है। यह सुविधा डेवलपर्स को अब अपने स्मार्टफोन से ही कोडिंग से जुड़े कार्यों की दूर से निगरानी करने, उनका प्रबंधन करने और उन्हें मंजूरी देने में सक्षम बनाती है। यह फीचर फिलहाल प्रीव्यू मोड में है और चैटजीपीटी के फ्री और गो सहित सभी प्लान पर उपलब्ध है। इस एकीकरण से, उपयोगकर्ता अपने फोन को उन मशीनों से कनेक्ट कर सकते हैं, जो कोडेक्स चला रही हैं, जैसे लैपटाप, मैक मिनी और रिमोट सिस्टम, जिससे वे सीधे चैटजीपीटी ऐप पर प्रोजेक्ट से जुड़े लाइव अपडेट देख पाएंगे। ओपनएआई के अनुसार, इस मोबाइल अनुभव के तहत उपयोगकर्ता बिना डेस्कटाप सिस्टम पर लौटे आउटपुट की समीक्षा कर सकते हैं, कमांड को मंजूरी दे सकते हैं, एआई माडल बदल सकते हैं और नए कोडिंग टास्क शुरू कर सकते हैं। कंपनी ने बताया कि स्क्रीनशाट, टर्मिनल आउटपुट, टेस्ट परिणाम और मंजूरी जैसी वास्तविक समय की अपडेट मोबाइल ऐप में सिंक होती रहेंगी, जबकि फाइलें, लागिन जानकारी और अनुमति संबंधी डेटा कनेक्टेड मशीन पर ही सुरक्षित रहेगा। वर्तमान में, प्रति सप्ताह 40 लाख से अधिक लोग कोडेक्स का उपयोग कर रहे हैं। ओपनएआई ने बताया कि रिमोट एसएसएच सपोर्ट और हुक्स अब सभी प्लान्स में सामान्य रूप से उपलब्ध हैं, जबकि एंटरप्राइज और बिजनेस यूजर्स के लिए प्रोग्रामेटिक एक्सेस टोकन भी पेश किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य और एंटरप्राइज सेक्टर के लिए, पात्र चैटजीपीटी एंटरप्राइज वर्कस्पेस में स्थानीय सिस्टम पर कोडेक्स के उपयोग के लिए एचआईपीएए-अनुपालन सपोर्ट भी प्रदान किया जाएगा। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही विंडोज सिस्टम पर चल रहे कोडेक्स को भी चैटजीपीटी मोबाइल ऐप से जोड़ने की सुविधा शुरू की जाएगी।

कई लोकप्रिय एसयूवी को हाइब्रिड तकनीक के साथ पेश करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली

हाइब्रिड वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। आने वाले समय में महिंद्रा कंपनी अपनी कई लोकप्रिय एसयूवी को हाइब्रिड तकनीक के साथ पेश करेगी। इस एसयूवी से ग्राहकों को बेहतर ईंधन दक्षता और लंबी ड्राइविंग रेंज का अनुभव मिलेगा। यह कदम उन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी परफार्मेंस देगा, लेकिन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चिंताओं को कम करेगा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, महिंद्रा सबसे पहले अपनी बहुप्रतीक्षित एक्सयूवी 7एक्सओ के स्ट्रान्ग हाइब्रिड वर्जन पर काम कर रही है। इस माडल में एक पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर और एक बैटरी पैक होगा, जिससे वाहन छोटी दूरी के लिए केवल बिजली पर चल सकेगा। यह शहरी ड्राइविंग के लिए अत्यंत कुशल साबित होगा।इसके अतिरिक्त, कंपनी महिंद्रा एक्सईवी 9ई और महिंद्रा बीई 6 जैसे भविष्य के माडलों को भी सीरीज हाइब्रिड तकनीक के साथ लाने की योजना बना रही है। सीरीज हाइब्रिड सिस्टम में इलेक्ट्रिक मोटर ही पहियों को चलाएगी, जबकि एक छोटा पेट्रोल इंजन केवल बैटरी को चार्ज करने का कार्य करेगा, जिससे यह एक तरह से रेंज-एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहन का अनुभव देगा।

महिंद्रा अपने नए और आकर्षक विजन एस कान्सेप्ट को भी बाजार में स्ट्रान्ग हाइब्रिड विकल्प के साथ पेश कर सकती है। इस कान्सेप्ट को विशेष रूप से आफ-रोडिंग क्षमताओं और लंबी यात्राओं के लिए डिजाइन किया गया है, जो साहसिक यात्रियों को लक्षित करेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि महिंद्रा का यह रणनीतिक कदम भारतीय बाजार में हाइब्रिड एसयूवी सेगमेंट को नई मजबूती प्रदान करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वंदे...

शैक्षणिक संस्थानों में इसे अनिवार्य करने की बात कही गई है।

उन्होंने कहा कि अगर यह फैसला वापस नहीं लिया गया तो संगठन अदालत का दरवाजा खटखटाएगा। जमीयत ने इसे संविधान की मूल भावना, धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के खिलाफ बताया।

मौलाना मदनी ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि इसके जरिए वास्तविक नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में 27 लाख मतदाताओं को संदिग्ध घोषित किया गया, जिनमें बड़ी संख्या मुसलमानों की है।

उन्होंने मुसलमानों से सतर्क रहने और अपने दस्तावेज तैयार रखने की अपील की। साथ ही कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद के कार्यकर्ता लोगों की कानूनी मदद करेंगे।

अपने संबोधन के अंत में मौलाना मदनी ने कहा कि इस्लाम को मिटाने की कोशिश करने वाले खुद मिट गए, लेकिन इस्लाम कायम रहा। उन्होंने पूर्व सोवियत रूस का उदाहरण देते हुए कहा कि तमाम प्रतिबंधों और दमन के बावजूद इस्लाम और मुसलमान दोनों कायम रहे। साथ ही उन्होंने समाज में भाईचारा, सहिष्णुता और न्याय की स्थापना के लिए प्रयास जारी रखने की अपील की।

भारत माता को मां नहीं मानने वालों को रहने का हक नहीं

वंदे मातरम् विवाद को लेकर पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पाल ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत माता को 'मां' मानने में झिझकते हैं, उन्हें इस देश में रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। आसनसोल में मीडिया से बातचीत के दौरान अग्निमित्रा पाल ने कहा कि भारत देश सभी नागरिकों के लिए मां के समान है।

उन्होंने कहा, जिस मिट्टी ने हमें पाला-पोसा, उसे भी हम मां मानते हैं। जो लोग भारत को मां कहने में झिझकते हैं और अदालत जाने की बात करते हैं, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं है। अगर भारत में रहना है तो भारत माता का सम्मान करना होगा।

गाय मत ...

धार्मिक स्थलों में पशु बलि और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के मुद्दे पर कासमी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को उन चीजों से बचना चाहिए, जो दूसरे धर्मों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा, हम अपने मुस्लिम भाइयों से अपील करते हैं, कृपया गाय की कुर्बानी न करें क्योंकि इससे हमारे हिंदू भाइयों की भावनाएं आहत होती हैं। उन्होंने कहा कि इसकी जगह बकरी की कुर्बानी दी जा सकती है।

पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम का जिक्र करते हुए कासमी ने कहा कि यह कानून 1950 से लागू है और अब इसे ज्यादा सख्ती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने मुसलमानों को कुछ स्वतंत्रता दी थी। लेकिन उन्होंने इसका स्थायी समाधान नहीं दिया। यह सरकार केवल कानून को सख्ती से लागू कर रही है।

मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर क्या कहा?

मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर उन्होंने कहा कि यह नियम 1996-97 के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों पर आधारित है और इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी सही ठहराया है। उन्होंने बताया कि ध्वनि की अनुमति के मानक इस प्रकार हैं- औद्योगिक क्षेत्रों में 75-80 डेसिबल, वाणिज्यिक क्षेत्रों में 70-75 डेसिबल, आवासीय क्षेत्रों में 65-70 डेसिबल और साइलेंस जोन में 40-45 डेसिबल।

कासमी ने कहा कि कुछ ग्रामीण इलाकों में पुलिस की ओर से मस्जिदों से माइक्रोफोन हटाने की खबरें आई हैं, जो नियमों को गलत समझने के कारण हुआ है। उन्होंने कहा कि माइक्रोफोन पूरी तरह हटाने का कोई नियम नहीं है और उन्होंने मस्जिद समितियों से अपील की कि वे प्रशासन के साथ सहयोग करें और सुनिश्चित करें कि माइक्रोफोन का उपयोग तय ध्वनि सीमा से अधिक न हो।

पीएम मोदी ...

प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान भारत और स्वीडन के बीच रिश्तों को मजबूत करने, वैश्विक सहयोग बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए दिया गया है। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्वीडन में प्रधानमंत्री मोदी को मिले सम्मान को लेकर उन्हें बधाई देते हुए एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, पीएम मोदी को स्वीडन के सर्वोच्च सम्मान, रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई।

पीएम मोदी ने स्वीडन में कहा - भारत और यूरोप के बीच एफटीए से निवेश और उद्योग को मिलेगा फायदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में भारत-स्वीडन संबंधों को स्ट्रैटेजिक पार्टनशिप का दर्जा देने का ऐलान किया। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देश ग्रीन ट्रांजिशन, रक्षा, नई तकनीक और लोगों के बीच संबंध मजबूत करने पर मिलकर काम करेंगे। उन्होंने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता को उद्योग और निवेश के लिए बड़ा अवसर बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और स्वीडन के संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन और मानव-केंद्रित विकास की मजबूत नींव पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश नवाचार को विकास का माध्यम मानते हैं, स्थिरता को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और लोकतंत्र को अपनी ताकत मानते हैं।

एयरपोर्ट पर उतरने के बाद मोदी स्वीडन में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से मिले। इस कार्यक्रम में कई रंगारंग प्रस्तुतियां हुईं। स्वीडिश ओपेरा सिंगर शार्लोटा हुल्ड ने वैष्णव जन तो भजन गाया। भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति भी हुई। साथ ही बंगाली संस्कृति की भी शानदार झलक देखने को मिली। इस कार्यक्रम में स्वीडन के पीएम क्रिस्टरसन भी मौजूद थे। मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर लिखा कि बंगाली संस्कृति पूरी दुनिया में मशहूर है और स्वीडन भी इससे अलग नहीं है।

मॉस्को पर...

उन्होंने कहा कि रूस जंग को लंबा खींच रहा है और हमारे शहरों और लोगों पर हमले कर रहा है, इसलिए यह जवाबी कार्रवाई पूरी तरह सही है। जेलेंस्की ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन ने रूस के अंदर 500 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर तक के ठिकानों पर हमले किए।

रूस ने इन हमलों की निंदा की और कहा कि यूक्रेन आम नागरिकों को निशाना बना रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने इसे बड़ा आतंकी हमला बताया।

हालांकि जंग शुरू होने से लेकर अब तक रूस और यूक्रेन दोनों बार-बार कहते रहे हैं कि वो जानबूझकर आम नागरिकों को नहीं मारते। लेकिन सच्चाई यह है कि दोनों तरफ रिहायशी इलाके और आम लोगों की जरूरत की जगहें बार-बार हमलों की चपेट में आती रही हैं।

ईरान पर...

* ईरान ने मांग रखी है कि विदेशों में रोकी गई उसकी सारी संपत्ति और जमे हुए फंड को बिना किसी देरी के तुरंत जारी किया जाए।
* ईरान का कहना है कि इस पूरी जंग में उसे जो भी भारी माली और सैन्य नुकसान हुआ है, अमेरिका को उसकी पूरी भरपाई करनी होगी।
* तेल सप्लाई के लिए दुनिया के सबसे अहम रास्ते यानी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ईरान अपनी संप्रभुता चाहता है और अमेरिका को इसे मान्यता देनी होगी।

सतीशन ...

पीके बशीर, एन शम्सुद्दीन, केएम शाजी और वीई अब्दुल गफूर मंत्री बनेंगे। इसके अलावा केरल कांग्रेस से मॉन्स जोसेफ, आरएसपी से शिबू बेबी जॉन, केरल कांग्रेस (जैकब) से अनूप जैकब और सीएमपी से सीपी जॉन को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है।इस शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी शामिल होंगे। वायनाड सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के भी आने की संभावना है। हालांकि सोनिया गांधी के शामिल होने पर अभी स्थिति साफ नहीं है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री भी समारोह में मौजूद रहेंगे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को भी आमंत्रण भेजा गया है, लेकिन उनकी ओर से अभी पुष्टि नहीं हुई है। नई सरकार का शपथ ग्रहण सोमवार सुबह 10 बजे तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में होगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में 140 में से 102 सीटें जीतकर बड़ी जीत दर्ज की है। अब सबकी नजर सोमवार सुबह 10 बजे होने वाले शपथ ग्रहण समारोह पर है।

85 की उम्र...

जहां फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग अपने करियर को बचाने के लिए घुमा-फिराकर बातें करते थे, वहीं के राजन खुलकर बड़े सितारों के नाम लेने के लिए मशहूर थे। कोलीवुड मीडिया में उनकी बेबाकी हमेशा चर्चा में रहती थी। वो अक्सर इंडस्ट्री के बड़े स्टार्स और उनके काम करने के तरीके पर सवाल उठाते नजर आते थे।

के राजन कई बार बड़े सितारों पर भारी-भरकम बजट वाली एक्सपेरिमेंटल फिल्में करने का आरोप लगा चुके थे। उनका कहना था कि ऐसी फिल्मों की वजह से प्रोड्यूसर्स पर कर्ज का बोझ बढ़ जाता है। उन्होंने कार्ति की फिल्म आयिरथिल ओरुवन और धनुष की एनाई नोकी पायुम थोटा का उदाहरण देते हुए कहा था कि ये फिल्में जरूरत से ज्यादा खर्चीली थीं और आखिर में प्रोड्यूसर्स कर्ज में डूब गए।के राजन ने लेडी सुपरस्टार नयनतारा को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने एक्ट्रेस की करोड़ों की फीस को लेकर खुलकर नाराजगी जताई थी। राजन का कहना था कि बड़े स्टार्स मोटी फीस तो लेते हैं, लेकिन फिल्म के प्रमोशन, ऑडियो लॉन्च या प्रेस मीट में आने से बचते हैं। उनके मुताबिक, जब प्रोड्यूसर इतना पैसा लगाता है तो स्टार्स की जिम्मेदारी बनती है कि वो फिल्म के प्रमोशन में भी साथ दें।कॉमेडियन योगी बाबू भी के राजन के निशाने पर आ चुके थे। फिल्म परमपदम विलायट्टु के प्रमोशनल इवेंट में राजन ने उन कलाकारों पर निशाना साधा था जो मीडिया इंटरैक्शन से बचते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 18 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर

गोल्डन टेम्पल में यज्ञ कुंड एवं यज्ञ शाला का कार्य निरीक्षण

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा आगामी 21 मई से 27 मई 2026 तक आयोजित होने वाले श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियों को लेकर गोल्डन टेम्पल में यज्ञ कुंड एवं यज्ञ शाला के निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम के संयोजक शंकर लाल अग्रवाल, यज्ञ स्थल के संयोजक माणक गुप्ता, मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता, समिति के उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल, महेश कुमार डाकोतिया तथा मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल उपस्थित रहे।

समिति के पदाधिकारियों ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए।

यह सात दिवसीय महायज्ञ भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ा धार्मिक आयोजन होने जा रहा है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की जोनल समन्वयकर्ताओं की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के जोनल समन्वयकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टावर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पांचों जोन के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन ने की। समाज के मीडिया एवं प्रेस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि बैठक में सदस्यता अभियान को प्रमुख विषय के रूप में लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी समन्वयकर्ताओं से अपने-अपने जोन की शाखाओं में अधिक से अधिक सदस्य बनाने का आग्रह किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जो सदस्य पहले केंद्रीय शाखा से जुड़े हुए हैं, उन्हें उनके आधार कार्ड के अनुसार नजदीकी शाखा से जोड़ा जाएगा तथा शाखाओं द्वारा उन्हें शीघ्र प्रिविलेज कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि नए सदस्यों को भी समाज से जोड़ने में सुविधा हो सके।

इसके साथ ही तेलंगाना के सभी जिलों में कम से कम एक शाखा स्थापित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। शाखा विस्तार समिति के चेयरमैन से इस दिशा में विशेष ध्यान देकर सदस्यता अभियान को गति देने का आग्रह किया गया। बैठक में पूर्वी जोन के महेंद्र कुमार अग्रवाल, पश्चिम जोन के मुकुंद लाल अग्रवाल, सेंट्रल जोन के अजय तुलसियान, उत्तर जोन के सुनील कुमार चोखानी सहित विभिन्न जोनों के समन्वयकर्ता उपस्थित रहे।

अधिक मास में मानव सेवा का अनूठा उदाहरण पेश कर रहा राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : राजेश नथानी

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में अधिक मास के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों, सेवा भाव से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा के इस अभियान को और अधिक मजबूत बनाया।

अधिक मास को सनातन धर्म में विशेष पुण्यदायी माना जाता है और इसी भावना को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार जरूरतमंद लोगों की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों के बीच सेवा कार्य संपन्न किए गए तथा सभी उपस्थित लोगों ने सेवा, सहयोग और मानवता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजेश नथानी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और निरंतरता के साथ समाज सेवा के कार्यों में जुटा हुआ है, वह वास्तव में सराहनीय एवं प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जरूरतमंदों की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है और अधिक मास जैसे पुण्य अवसर पर सेवा कार्य करना अत्यंत फलदायी माना जाता है। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए ताकि जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके और समाज में भाईचारा एवं सद्भावना का वातावरण मजबूत हो।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, महेश अग्रवाल, राजेश नथानी, अनिता नथानी, गोपाल गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल एवं सोहन लाल दायमा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर सेवा कार्यों को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरों पर आई मुस्कान ने सभी को भावुक कर दिया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्य आज समाज में प्रेरणा का केंद्र बनते जा रहे हैं और अधिक से अधिक लोग इस सेवा अभियान से जुड़कर मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं।

शनि जयंती पर अन्नप्रसाद एवं छाछ का वितरण

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की अग्रकुल महिला रामनगर ईस्ट शाखा द्वारा शनि जयंती के पावन अवसर पर साक्षी इंटरप्राइजेज़, उस्मानशाही में अन्नप्रसाद एवं छाछ का वितरण किया गया। लगभग 300-350 लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर आनंद लिया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष श्रीमती सविता अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती शशि टिबरेवाल, मंत्री श्रीमती सीमा अग्रवाल, सह मंत्री श्रीमती संतोष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिल्पा अग्रवाल, एवं सदस्य श्रीमती किरण अग्रवाल, श्रीमती शीतल अग्रवाल, श्रीमती अनीता, गुनगुन, संजय अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, भावेश अग्रवाल आदि का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया और शाखा की सामाजिक सेवा की सराहना की।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक सम्पन्न, 25 बायोडाटा प्राप्त

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आबिड्स स्थित समाज कार्यालय में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कमेटी के नवनिर्वाचित चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं अभिभावकों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि विवाह परिचय समिति समाज के युवाओं के लिए एक सशक्त मंच बनकर कार्य कर रही है, जिसके माध्यम से योग्य रिश्तों का चयन सरल एवं व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने समिति की आगामी योजनाओं एवं कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेघा रानी अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष दिलीप पंसारी तथा पूर्व उपाध्यक्ष एवं सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल ने अपने संबोधन में विवाह परिचय समिति के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को एकता के सूत्र में बांधने के साथ-साथ युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतिथियों ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए निरंतर समाजसेवा के लिए प्रेरित किया।

बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों के बायोडाटा के साथ उपस्थित हुए तथा अपनी पसंद एवं आवश्यकताओं के अनुसार रिश्तों की जानकारी प्राप्त की। समिति के सदस्यों द्वारा सभी अभिभावकों को उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया। बैठक के दौरान कुल 25 बायोडाटा प्राप्त हुए, जबकि 8 से 10 अभिभावकों ने रिश्तों को आगे बढ़ाने की सहमति व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में परिचय एवं विचार-विमर्श का दौर चलता रहा। इस अवसर पर समाज के कोषाध्यक्ष राजगोपाल, चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, प्रभारी पंकज संघी, अशोक जिंदल, संतोष चोखानी, जितेंद्र अग्रवाल, सुनील मोदी, गोपाल अग्रवाल, शीतल रूंगटा, रानी मित्तल, बबीता अग्रवाल, अजय तुलसियान, सुनील चौखानी सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी ने समिति की पूरी टीम को बधाई दी।

सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए जोशी परिवार द्वारा रामनगर क्षेत्र में छाछ सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

अमावस्या पर राम रस सेवा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु एवं अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में अमावस्या एवं पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन के पावन अवसर पर भंडारा चौक-रिकाबगंज में भक्तिभाव के साथ राम रस (आम रस) सेवा का भव्य आयोजन किया गया।

भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं राहगीरों ने भाग लिया तथा आम रस का प्रसाद ग्रहण कर आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

राम रस सेवा कार्यक्रम में अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र नारनौली, सुनील, प्रशांत, रतनलाल सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। आयोजन समिति ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

श्री जगन्नाथ मठ में आयोजित भागवत कथा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम मे उपस्थित अच्युत रामानुज आचार्य, प्रवीण आचार्य, जसमत भाई पटेल, गोपी किशन बंग, प्रमोद कुमार व्यास, पार्थ सारथी, दुर्गा प्रसाद दुबे, आलोक प्रसाद तिवारी एवं अन्य।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने सीखे आर्ट एंड क्राफ्ट के गुर

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक ग्रीष्मकालीन शिविर के दूसरे दिन बच्चों में उत्साह और उमंग का विशेष माहौल देखने को मिला। शिविर का आयोजन समाज की सचिव डॉ. सीमा जैन एवं चेयरमैन श्रीमती मोनिका अग्रवाल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक क्षमता, सांस्कृतिक जागरूकता तथा मानसिक एकाग्रता को बढ़ावा देना है। शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत ऊर्जावान एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ हुई। बच्चों ने सबसे पहले शारीरिक स्फूर्ति के लिए जंपिंग एक्टिविटी में भाग लिया। इसके पश्चात सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

दिन के मुख्य सत्र में श्रीमती शीतल रूंगटा द्वारा विशेष आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान बच्चों को वेस्ट मटेरियल से आकर्षक कलाकृतियां बनाना तथा क्रिएटिव ड्राइंग के सरल एवं रोचक तरीके सिखाए गए। बच्चों ने पूरे उत्साह और रुचि के साथ गतिविधियों में भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं मार्गदर्शक डॉ. सुमन सराफ उपस्थित रहीं। उन्होंने बच्चों को दैनिक जीवन में उपयोगी ज्ञानवर्धक बातें बताईं तथा मानसिक एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए पांच मिनट का विशेष 'ब्रेन जिम' प्रशिक्षण दिया। बच्चों ने इस सत्र को बड़े उत्साह के साथ सीखा और उसका आनंद लिया। सत्र के समापन पर डॉ. सुमन सराफ द्वारा बच्चों को आकर्षक उपहार भेंट किए गए, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों के लिए स्वादिष्ट एवं पौष्टिक अल्पाहार की व्यवस्था की गई, जिसका प्रायोजन श्रीमती शीतल रूंगटा द्वारा किया गया। शिविर के सफल आयोजन पर समाज के पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शुभ लाभ DAILY

अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा की सभा सम्पन्न

सिल्वर जुबली समारोह की तैयारियां शुरू, 15-16 अगस्त को भव्य आयोजन

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना घांसीबाजार झूला शाखा की सभा शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला की अध्यक्षता में श्री रानी सती दादी मंदिर में संपन्न हुई।

सभा में महिला समिति द्वारा हाल ही में आयोजित सफल कार्यक्रम समर स्प्लैश के लिए करतल ध्वनि से बधाई दी गई।

अवसर पर शाखा की पच्चीसवीं वर्षगांठ (सिल्वर जुबली) कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के प्रधान संयोजक शशि कांत अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि- 15 अगस्त को प्रातः झंडावंदन के पश्चात महिला समिति के निर्देशन में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं सामाजिक सुधार पर बच्चों द्वारा संबोधन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

सभी के लिए दोपहर भोजन की व्यवस्था रहेगी। 16 अगस्त को सायं 6 बजे से विभिन्न मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश के विभिन्न कलाकारों द्वारा गीत-संगीत प्रस्तुति, अतिथियों का सम्मान, म्यूजिकल तंबोला और अंत में डीजे की धुन होगी। कार्यक्रम में विशाल एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी।

म्यूजिकल तंबोला के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे जिनमें एलईडी स्मार्ट टीवी, रेफ्रिजरेटर, ओवन आदि शामिल होंगे।

सिल्वर जुबली समारोह में घांसीबाजार झूला शाखा एवं केंद्र समिति में पिछले 25 वर्षों से सेवा देने वाले सभी पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। समाज की सभी शाखाओं के वर्तमान पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। सभी अतिथियों के लिए अल्पाहार एवं रात्रि भोज की व्यवस्था रहेगी।

सभा में अनिल धरसूवाला (अध्यक्ष), शशि कांत अग्रवाल (प्रधान संयोजक), गोविंद राम पचेरिया, योगेंद्र कटारुका, मनोज पचेरिया, अशोक सौलानावाला, महेश कुमार कनोडीया, राकेश पचेरिया, श्याम सुंदर सांवरिया, मीना अग्रवाल, मीनू गर्ग, शर्मिला अग्रवाल, शिव कुमार जाखणीवाला, शिव भगवान अग्रवाल, मनोज कुमार मित्तल, राधा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। मिटिंग का समापन शिव भगवान अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हैदराबाद-साइबरबाद में शराब पीकर गाड़ी चलाने के 774 मामले दर्ज

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद और साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा में सुधार लाने के लिए सप्ताहांत में चलाए गए विशेष अभियानों के अंतर्गत शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कुल 774 मामले दर्ज किए हैं।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 15 और 16 मई को दो दिनों तक विशेष अभियान चलाया और शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले 474 वाहन चालकों को पकड़ा। इनमें से 417 दोपहिया वाहन चालक, 24 तिपहिया वाहन चालक और 33 चार पहिया और अन्य वाहन चालक शामिल थे। पुलिस के अनुसार, 103 उल्लंघनकर्ताओं के रक्त में अल्कोहल की मात्रा 30-50 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाई गई, जबकि 188 मामले 51-100 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर की सीमा में थे। बारह वाहन चालकों के रक्त में अल्कोहल की मात्रा 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से अधिक पाई गई।

इस बीच, साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में विशेष जांच अभियान चलाया और 253 दोपहिया वाहन चालकों, नौ तिपहिया वाहन चालकों और 38 चार पहिया वाहन चालकों सहित 300 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि सभी दोषियों को अदालत में पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने चेतावनी दी है कि शराब के नशे में वाहन चलाते हुए जानलेवा दुर्घटनाएं करने वालों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105 के अंतर्गत मामला दर्ज किया जाएगा, जिसमें अधिकतम 10 साल की कैद एवं जुर्माना का प्रावधान है। अधिकारियों ने कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के प्रति बिल्कुल भी नरमी नहीं बरती जाएगी और यात्रियों से प्रवर्तन अभियानों में सहयोग करने की अपील की।

भाजपा ने पुलिस की ओर से किये जा रहे गौ रक्षकों के कथित उत्पीड़न की निंदा की

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने रविवार को बकरीद से जुड़ी घटनाओं के सिलसिले में पुलिस द्वारा गौ रक्षकों और स्वैच्छिक गौ सेवकों के कथित उत्पीड़न की कड़ी निंदा की।

श्री राव ने आरोप लगाया कि अत्तापुर में हाल की घटना के बाद, पुलिस असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के दबाव में काम कर रही है और गौ रक्षकों तथा स्वयंसेवकों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रही है।

उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और संतुलित तरीके से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बजाय पुलिस उन व्यक्तियों को निशाना बनाती दिख रही है जो गाय से जुड़ी भावनाओं की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहाँ हर धर्म को गरिमा के साथ अपने विश्वास का पालन करने का अधिकार है। सभी समुदायों की भावनाओं और मान्यताओं का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के लिए गाय का गहरा आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है।

श्री राव ने कहा कि यह बिल्कुल भी मंज़ूर नहीं है कि गौ रक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ कथित तौर पर अपराधियों जैसा बर्ताव किया जाए। उन्होंने मांग की कि सरकार और पुलिस यह सुनिश्चित करें कि कोई भी गैर-कानूनी गतिविधि न हो और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।

भाजपा नेता ने कहा कि पुलिस गौ रक्षकों और स्वयंसेवकों के खिलाफ़ 'झूठे मामले' दर्ज करना बंद करे और शांति तथा सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए निष्पक्ष होकर काम करे।

उन्होंने कहा कि भाजपा गौ रक्षकों, गौ सेवकों और हिंदुओं की भावनाओं की रक्षा के समर्थन में मज़बूती से खड़ी रहेगी।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा 40 राशन किट वितरित

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा प्रत्येक माह की भांति मई माह में भी जरूरतमंद परिवारों को 40 राशन किट वितरित किए गए। संस्था पिछले 11 महीनों से निरंतर राशन किट वितरण का सेवा कार्य कर रही है।

संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन यह सेवा कार्यक्रम हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में आयोजित किया गया। राशन किट के साथ परिवारों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रसोई में उपयोग आने वाली कड़ाही तथा खाने के बिस्किट के पैकेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के प्रायोजकों में मंगतराय जी रामकुमार जी परिवार, राधेश्याम गुप्ता, केदारनाथ अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) तथा पुरुषोत्तमदास जी सुरेश कुमार पापड़िया (टंडन) शामिल रहे।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 11 महीनों से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को नियमित रूप से राशन किट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मौसम एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न महीनों में विशेष सामग्री भी वितरित की गई। नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल, दिसंबर में स्वेटर, जनवरी में संक्रांति पर्व के अवसर पर साड़ियां तथा फरवरी माह में चटाइयां, प्लास्टिक चौकी एवं पानी की बोतलें वितरित की गई थीं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर राधेश्याम गुप्ता, केदारनाथ अग्रवाल, सुरेश कुमार टंडन, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल एवं श्रीमती संतोष अग्रवाल, अशोक दादरीवाला तथा हिंदी डेली के मुकेश केडिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वहीं कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया गया।

संस्था की ओर से बताया गया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार, जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम हो तथा जो 10 हजार रुपये से कम किराए के मकान में निवास करते हों, वे सहायता प्राप्त करने के लिए अपना आधार कार्ड एवं फोटो मोबाइल नंबर 9396222880 पर भेज सकते हैं। संस्था द्वारा ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए राशन किट की व्यवस्था की जाएगी।

निस्वार्थ सेवा भाव से समाज को जोड़ रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद : प्रवीण विजयवर्गीय

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्न एवं अनुदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सेवा कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रवीण विजयवर्गीय ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची मानवता है और राधे-राधे ग्रुप वर्षों से बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्यों में समर्पित भाव से जुटा हुआ है। उन्होंने सभी लोगों से ऐसे सेवा कार्यों से जुड़कर समाज हित में योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को अन्न वितरण किया गया तथा सभी ने मिलकर सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। वातावरण भक्तिमय एवं सेवा भावना से ओतप्रोत रहा। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार समाज सेवा, अन्न सेवा एवं सहयोग के कार्यों के माध्यम से मानवता की मिसाल पेश कर रहा है।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, पन्नालाल अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू शर्मा, मोहित अग्रवाल एवं युवान अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

ट्रांसफर पर गए 13 स्टाफ को दी गई भावपूर्ण विदाई

बांसवाड़ा, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा पुलिस स्टेशन परिसर में 17 मई 2026 को उन 13 स्टाफ सदस्यों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया, जो लंबे समय से बांसवाड़ा पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे और जिनका विभिन्न पुलिस स्टेशनों में ट्रांसफर हो गया है।

बांसवाड़ा टाउन इंस्पेक्टर टी. श्रीधर के नेतृत्व में सभी 13 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एसएसआई सहित पुलिस स्टेशन के अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी हिस्सा लिया और विदाई ले रहे सहकर्मियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ट्रांसफर होकर जाने वाले स्टाफ सदस्यों के सेवा काल की सराहना की गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

निजामाबाद एवं कामारेड्डी प्रो कबड्डी लीग का शुभारंभ

बांसवाड़ा, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद डिस्ट्रिक्ट लेवल सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता एवं कामारेड्डी डिस्ट्रिक्ट पुरुष प्रो कबड्डी लीग के उद्घाटन समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बांसवाड़ा आरडीओ रविंदर रेड्डी, नेता एजास, कृष्णा रेड्डी, नरला रविंदर, वाई.डी. दाऊद, स्थानीय वार्ड पार्षद हकीम, म्युनिसिपल को-ऑप्शन सदस्य माजिद (मज्जू) सहित अनेक जनप्रतिनिधि, नेता एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान खिलाड़ियों एवं आयोजकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

नागोल आरटीओ में ड्राइविंग लाइसेंस जागरूकता शिविर

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीओ), नागोल द्वारा आयोजित एक सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों और शिक्षकों को गर्मियों की छुट्टियों के दौरान ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने तथा सड़क सुरक्षा के महत्व को समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) और नागोल आरटीओ के प्रभारी के. अमरनाथ ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। हीरो कंपनी के सहयोग से, ड्राइविंग टेस्ट के लिए आने वाले आवेदकों के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, सड़क चिह्नों (रोड साइन्स) के पालन, शराब पीकर गाड़ी चलाने (ड्रंक ड्राइविंग) की रोकथाम और ''राह-वीर'' योजना पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान लाइसेंस आवेदन प्रक्रिया के दौरान आवेदकों को बेहतर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए नागोले आरटीओ के कर्मचारियों की भी सराहना की गई।

प्रभारी के. अमरनाथ ने सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों और ट्रैफिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पिछले डेढ़ साल से नागोले में चलाए जा रहे अराइव अलाइव सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागोले आरटीओ कार्यालय में रोड टेस्ट के लिए रोजाना औसतन 200 से 250 आवेदन प्राप्त होते हैं।

राज्य सरकार अनाज खरीदने में नहीं कर रही है किसानों की मदद : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार पर अनाज खरीदने में किसानों की मदद नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रशासनिक लापरवाही की वजह से पूरे राज्य में किसानों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

श्री रेड्डी ने नामपल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्य कार्यालय में संवाददाताओं से बात करते हुए कांग्रेस सरकार पर अलग-अलग घोषणाओं के तहत किए गए वादों से जनता को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि भलाई के कई वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार से बहुत अधिक मदद मिलने के बावजूद राज्य सरकार अनाज की जरूरी खरीद भी नहीं कर पा रही है।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कई किसानों को अपनी फसल खरीदने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा है। श्री रेड्डी ने कहा कि केंद्र अनाज खरीदने से जुड़ा पूरा खर्च उठा रहा है, जिसमें बोरियों, परिवहन, खरीद भुगतान, ब्याज और मालगोदाम का किराया शामिल है।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

हर्षाली गुप्ता
की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
राजेश गुप्ता (विष्णु एजेन्सीज़) सुलतान बाज़ार
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

फीलखाना संघ में चातुर्मास तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 17 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ फीलखाना के तत्वावधान में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा आगामी चातुर्मास की तैयारियों को लेकर महावीर भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। आगामी चातुर्मास पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सूरीश्वरजी म.सा. एवं पूज्य गणीवर्य श्री पद्मविमलसागरजी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में आयोजित होगा।

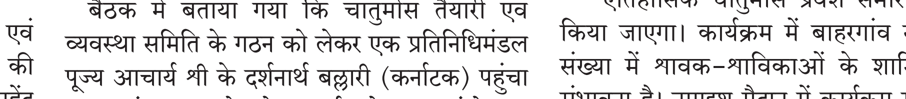

संघ के महामंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि चातुर्मास की व्यवस्थाओं एवं विभिन्न समितियों के गठन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संघ के ट्रस्टी दौलतराज भोजाणी, महेंद्र कवाड़, सुरेश दोशीमुथा, मुख्य संयोजक मोहनलाल बागरेचा, संयोजक सुरेंद्र भंडारी, अमृतलाल भोजाणी तथा सह संयोजक अशोक बंदामुथा सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि चातुर्मास तैयारी एवं व्यवस्था समिति के गठन को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल पूज्य आचार्य श्री के दर्शनार्थ बल्लारी (कर्नाटक) पहुंचा था। वहां पूज्य गुरुदेव ने चातुर्मास के मुख्य संयोजक, संयोजक एवं सह-संयोजकों के मनोनयन को स्वीकृति प्रदान की। चातुर्मास स्थल नुमाइश मैदान में प्रवचन पंडाल, भोजन पंडाल, पूजा-पुजन व्यवस्था, पार्किंग एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही वित्त व्यवस्था समिति का गठन भी किया गया। अन्य समितियों का गठन आगामी बैठकों में करने का निर्णय लिया गया।

जानकारी के अनुसार पूज्य आचार्य भगवंत 14 एवं 15 जुलाई को विमलाचल हाइट्स, अरिहंत गली में पधारेंगे। इसके पश्चात 16 जुलाई को प्रातः महावीर भवन में नाश्ते के बाद सुबह 8 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ चातुर्मास प्रवेश होगा, जो बाजे-गाजे के साथ नुमाइश मैदान पहुंचेगी। वहां ऐतिहासिक चातुर्मास प्रवेश समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बाहरगांव से हजारों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं के शामिल होने की संभावना है। नुमाइश मैदान में कार्यक्रम सम्पन्न होने के पश्चात प्रातः 11 बजे महावीर भवन में प्रवेश होगा। इस अवसर पर हैदराबाद-सिकंदराबाद के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया गया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

शीतल जैन, आरुषि जैन, ऋषभ जैन
की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
समस्त परिवार
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.